फाल्गुन शुक्ल - 5 ▪ संवत 2081 ▪ वर्ष - 12 ▪ अंक - 217 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- चेन्नई » मंगलवार » 04-03-2025 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 झारखंड में एनआरसी लागू करने का समय आ गया है : निशिकांत दुबे

6 यौन अत्याचारों के बढ़ने की त्रासदी पर लगाम लगे

7 कुछ कहानियां कभी फीकी नहीं पड़तीं : मनोज बाजपेयी

फर्स्ट टेक

'आईआईटी बाबा' जयपुर में गिरफ्तार, जमानत पर रिहा किया गया

जयपुर/भाषा। महाकुंभ से चर्चा में आए 'आईआईटी बाबा' अभय सिंह को पुलिस ने सोमवार को यहां गिरफ्तार कर लिया, हालांकि बाद में उन्हें जमानत मिल गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार अभय सिंह को शिप्रापथ थाना क्षेत्र में एक होटल से गिरफ्तार किया गया। पुलिस को उसके पास मादक पदार्थ गांजे की एक पुड़िया मिली है। थाना प्रभारी राजेन्द्र कुमार गोदारा ने बताया कि सोमवार को अभय सिंह के आत्महत्या करने की धमकी वाला एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने संबंधी सूचना पुलिस को मिली थी। उन्होंने बताया कि सूचना के आधार पर पुलिस ने अभय सिंह की लोकेशन के आधार पर उसे एक होटल में पकड़कर उससे पूछताछ की। पुलिस अधिकारी ने बताया कि उसके पास मादक पदार्थ गांजे की एक पुड़िया बरामद की गयी है।

पश्चिमी जर्मनी में कार ने भीड़ को रौंदा : एक की मौत, कई अन्य घायल

मैनहेम (जर्मनी)/एपी। पश्चिमी जर्मनी में सोमवार को एक कार चालक ने अपने वाहन से भीड़ को रौंद दिया जिससे एक व्यक्ति की मौत हो गई और कई अन्य घायल हुए हैं। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि संदिग्ध को हिरासत में ले लिया गया है। जर्मनी की मैनहेम शहर की पुलिस ने लोगों से शहर के मुख्य इलाके से दूर रहने और अपने घरों के अंदर रहने को कहा है। तत्काल विस्तृत जानकारी नहीं मिल सकी है। पुलिस ने यह खुलासा नहीं किया कि शहर के मुख्य हिस्से में बड़ी संख्या में पुलिस बल की उपस्थिति क्यों है, लेकिन एक प्रवक्ता ने बताया कि इस घटना को ''जीवन के लिए खतरा पैदा करने वाली स्थिति'' के रूप में दर्ज किया गया है।

ओला इलेक्ट्रिक करीब 1,000 कर्मचारियों की छंटनी की तैयारी में

नई दिल्ली/भाषा। ओला इलेक्ट्रिक मोबिलिटी अपने घाटे को कम करने के लिए कारोबार पुनर्गठन की प्रक्रिया के तहत लगभग 1,000 कर्मचारियों की छंटनी करने की तैयारी कर रही है। मामले की जानकारी रखने वाले सूत्रों ने सोमवार को यह जानकारी दी। हालांकि, कंपनी ने छंटनी के शिकार होने वाले कर्मचारियों की संख्या को लेकर कोई टिप्पणी नहीं की लेकिन यह संकेत जरूर दिया कि ऐसा परिचालन गतिविधियों के पुनर्गठन और स्वचालन के कारण हो रहा है। ओला इलेक्ट्रिक ने पिछले साल भी करीब 500 कर्मचारियों को बाहर का रास्ता दिखाया था।

04-03-2025	05-03-2025
सूर्यास्त 6:18 बजे	सूर्योदय 6:22 बजे

BSE	NSE
73,085.94	22,119.30
(-112.16)	(-5.40)

सोना	चांदी
8,919 रु.	108,000 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

नशेड़ी बाबा

इक नशेबाज बाबाजी पर,
क्यों फिदा आज सारे चैनल।
बकवास करैक्टर के पीछे,
सब दौड़ रहे पाने क्या हल।
आइ आइ टी वाले शर्मिंदा,
किसको बतलाएं सच्ची गल।
जो बोल रहा है अंटशंट,
सुनने वाले भी हैं पागल।।

देश के विकास का स्तर उसकी शिक्षा प्रणाली की गुणवत्ता में झलकता है : मुर्मु

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

उच्च शिक्षा समुदाय की महत्वाकांक्षा यह होनी चाहिए कि संस्थानों के शोधकर्ताओं को विश्व स्तर पर मान्यता मिले, संस्थानों के पेटेंट दुनिया में बदलाव ला सकें और विकसित देशों के छात्र उच्च शिक्षा के लिए भारत को पसंदीदा गंतव्य के रूप में चुनें।

नई दिल्ली/एजेन्सी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा है कि किसी भी देश के विकास का स्तर उसकी शिक्षा प्रणाली की गुणवत्ता में झलकता है।

राष्ट्रपति ने सोमवार को यहां राष्ट्रपति भवन में दो दिन के विजिटर कॉन्फ्रेंस का उद्घाटन किया। राष्ट्रपति 184 केंद्रीय उच्च शिक्षा संस्थानों की विजिटर यानी कुलाध्यक्ष हैं। उन्होंने उच्च शिक्षा संस्थानों के प्रमुखों से कहा कि भारत को ज्ञान अर्थव्यवस्था के महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में स्थापित करने के लक्ष्य को हासिल करने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने शिक्षा के साथ-साथ शोध पर भी अत्यधिक ध्यान देने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि सरकार ने बहुत अच्छे उद्देश्य से राष्ट्रीय अनुसंधान कोष की स्थापना की है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि उच्च शिक्षा संस्थान इस महत्वपूर्ण पहल का अच्छा उपयोग करेंगे और शोध को प्रोत्साहित करेंगे।

राष्ट्रपति ने कहा कि उच्च शिक्षा समुदाय की महत्वाकांक्षा यह होनी चाहिए कि संस्थानों के शोधकर्ताओं को विश्व स्तर पर मान्यता मिले, संस्थानों के पेटेंट दुनिया में बदलाव ला सकें और विकसित देशों के छात्र उच्च शिक्षा के लिए भारत को पसंदीदा गंतव्य के रूप में चुनें। उन्होंने कहा कि भारत के छात्र अपनी प्रतिभा से विश्व के अग्रणी शिक्षण संस्थानों और विकसित अर्थव्यवस्थाओं को समृद्ध करते हैं। उन्होंने देश में उनकी प्रतिभा का उपयोग करने के लिए प्रयास करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि भारत को वैश्विक ज्ञान महाशक्ति के रूप में स्थापित करने का राष्ट्रीय लक्ष्य तभी हासिल होगा जब विश्व समुदाय प्रयोगशालाओं में किए जा रहे कार्यों को अपनाने के लिए उत्सुक होगा।

राष्ट्रपति ने कहा कि देश के कई उच्च शिक्षा संस्थानों की वैश्विक ब्रांड वैल्यू है। इन संस्थानों के छात्रों को दुनिया के सर्वश्रेष्ठ संस्थानों और कंपनियों में बड़ी जिम्मेदारियां मिलती हैं। सभी संस्थानों को बहुत तेजी से आगे बढ़ना चाहिए। हमारी बड़ी युवा आबादी की अपार प्रतिभा को विकसित और उपयोग करके उच्च शिक्षा संस्थानों के प्रमुखों के नेतृत्व को मान्यता दी जाएगी।

उन्होंने कहा कि देश में वैज्ञानिक उपलब्धियों की समृद्ध परंपरा है। देश के हर क्षेत्र में भारतीय ज्ञान और विज्ञान की शाखाएं और उप-शाखाएं फली-फूली हैं। गहन शोध करके ज्ञान और विज्ञान की अमूल्य लेकिन विलुप्त धाराओं को फिर से खोजना बहुत उपयोगी होगा।

ऑस्कर 2025 : 'अनोरा' को मिला सर्वश्रेष्ठ फिल्म का पुरस्कार

लॉस एंजिलिस/एपी। सीन बेकर के निर्देशन में बनी और एक यौन कर्मी के जीवन पर आधारित 'रोमांटिक कॉमेडी' फिल्म 'अनोरा' को रविवार को आयोजित 97वें अकादमी पुरस्कार समारोह में सर्वश्रेष्ठ फिल्म चुना गया। कान फिल्मोत्सव में भी पाल्म डी'ओर पुरस्कार जीत चुकी 'अनोरा' ऐसी यौन कर्मी की कहानी को बयान करती है जिसका विवाह एक रूसी कुलीन वर्ग के युवक के साथ होता है। इस फिल्म को मात्र 60 लाख अमेरिकी डॉलर की लागत से बनाया गया है।

'अनोरा' ने 'विकेड', 'ड्यून: पार्ट टू', 'द ब्रूटलिस्ट', 'ए कम्प्लीट अननोन', कॉन्क्लेव, 'एमिलिया पेरेज', 'आई एम स्टिल हियर', 'निकेल बॉयज़' और 'द सब्सटेंस' को हराकर पुरस्कार जीता। रविवार को व्यक्तिगत रूप से चार ऑस्कर जीतकर बेकर ने वॉल्ट डिज्नी के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली, जिन्होंने 1954 में चार अलग-अलग फिल्मों के लिए ऑस्कर जीता था। बेकर ने डॉल्बी थिएटर के मंच से चिल्लाकर कहा, स्वतंत्र फिल्में अमर रहें!

इंडियाज गॉट लैटेंट मामला:

रणवीर इलाहाबादिया को 'द रणवीर शो' के प्रसारण की अनुमति मिली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने पॉडकास्टर रणवीर इलाहाबादिया को उनके द रणवीर शो को प्रसारित करने की सोमवार को अनुमति दे दी, बशर्ते वह नैतिकता और शालीनता बनाए रखें और यह वचन दें कि यह सभी आयु वर्ग के लिए उपयुक्त है।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने इलाहाबादिया की इस दलील पर गौर किया कि पॉडकास्ट उनकी आजीविका का एकमात्र स्रोत है और उनके द्वारा काम पर रखे गए लगभग 280 लोग इस शो पर निर्भर हैं।

पीठ ने इलाहाबादिया को गिरफ्तारी से दिये गए अंतरिम संरक्षण को अगले आदेश तक बढ़ा दिया तथा उन्हें गुवाहाटी में जांच में शामिल होने को कहा।

केंद्र और महाराष्ट्र, असम एवं ओडिशा जैसे राज्यों की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि विवादास्पद यूट्यूब शो ''इंडियाज गॉट लैटेंट'' पर की गई टिप्पणी न केवल अश्लील हैं, बल्कि अनुचित भी हैं। उन्होंने अदालत से कोई भी शो को प्रसारित नहीं करने की शर्त में बदलाव नहीं करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, ''उन्हें कुछ समय के लिए चुप रहने दें।''

पीठ ने इलाहाबादिया की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता अभिनव चंद्रचूड़ से कहा कि मौलिक अधिकार थाली में (परोस कर) नहीं मिलते, बल्कि उनके साथ कुछ पाबंदियां जुड़ी होती हैं।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने कहा कि मामले का एक आरोपी कनाडा गया था और उसने इस मामले पर बात की थी।

न्यायाधीश ने चेतावनी देते हुए कहा, ''ये युवा सोच सकते हैं कि हम पुराने ढंग के (आउटडेटेड) हैं, लेकिन हम जानते हैं कि उनसे कैसे निपटना है। अदालत को हल्के में न लें।'' इसके बाद पीठ ने इलाहाबादिया पर पाबंदी लगाते हुए कहा कि वह अपने शो में इस मामले से जुड़ी कोई बात नहीं कहेंगे।

इस समय दुनिया सामान्य से कहीं अधिक दिलचस्प है : जयशंकर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सोमवार को कहा कि सेमीकंडक्टर, स्वच्छ ऊर्जा और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) जैसे क्षेत्रों में सहयोग के जरिये भारत और बेल्जियम के बीच 'स्थिर' संबंधों के अधिक समकालीन स्वरूप में विकसित होने की संभावना है।

जयशंकर ने बेल्जियम के उपप्रधानमंत्री एवं विदेश मंत्री मैक्सिम प्रीवोट के साथ बैठक के दौरान यह टिप्पणी की।

प्रीवोट बेल्जियम की राजकुमारी एस्ट्रिड की अध्यक्षता में एक उच्च स्तरीय आर्थिक प्रतिनिधिमंडल के हिस्से के रूप में भारत का दौरा कर रहे हैं, जिसका उद्देश्य कई प्रमुख क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ावा देना है। दोनों देशों के विदेश मंत्रियों ने यूक्रेन की स्थिति सहित विभिन्न वैश्विक चुनौतियों पर चर्चा की।

जयशंकर ने बैठक में अपने शुरुआती संबोधन में कहा, इस समय दुनिया सामान्य से कहीं अधिक दिलचस्प है।

उनकी यह टिप्पणी पिछले हफ्ते व्हाइट हाउस के ओवल ऑफिस में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनके यूक्रेनी समकक्ष वोलोदिमीर जेलेंस्की के बीच जुबानी जंग के बाद यूक्रेन संघर्ष पर नये सिरे से ध्यान केंद्रित किए जाने के बीच आई है। ओवल ऑफिस में अप्रत्याशित घटनाक्रम के बाद यूरोप जेलेंस्की के समर्थन में खुलकर सामने आया है।

अपने संबोधन में विदेश मंत्री ने भारत-बेल्जियम संबंधों के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की और याद दिलाया कि बेल्जियम स्वतंत्र भारत में दूतावास स्थापित करने वाले पहले यूरोपीय देशों में से एक था। जयशंकर ने कहा, और बेशक हमारे बीच ऐतिहासिक संबंध भी हैं। आपकी भूमि पर अभी भी भारतीय सैनिकों के युद्ध स्मारक हैं। हालांकि, व्यापार, उद्योग, शिक्षा, नवाचार, संस्कृति जैसे कई क्षेत्रों में रिश्ते बहुत अच्छे, लेकिन स्थिर हैं, और आज उनमें अधिक समकालीन स्वरूप में विकसित होने की संभावना है।

जयशंकर ने सेमीकंडक्टर, एआई, स्वच्छ ऊर्जा और अनुसंधान एवं नवाचार जैसे क्षेत्रों में दोतरफा जुड़ाव के अवसरों पर खास तौर पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, मुझे विशेष रूप से खुशी है कि हमें राजकुमारी एस्ट्रिड का स्वागत करने का मौका मिला और लगभग 360 व्यवसायों वाले आर्थिक प्रतिनिधिमंडल का आना वास्तव में उत्साहजनक है।

कांग्रेस प्रवक्ता शमा ने रोहित शर्मा को 'मोटा' बताया, पार्टी ने लगाई फटकार

पवन खेड़ा ने कहा कि शमा की टिप्पणी कांग्रेस का मत नहीं है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शमा ने सोशल मीडिया मंच ''एक्स'' पर रविवार देर रात पोस्ट किया था जिसमें उन्होंने शर्मा को 'मोटा' और 'अप्रभावी कप्तान' कहा था।

भाजपा नेताओं सहित कई लोगों ने प्रतिक्रिया व्यक्त की तथा मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस को निशाने पर लिया।

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस प्रवक्ता शमा मोहम्मद ने भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा के बारे में आपत्तिजनक टिप्पणी की जिसको लेकर पार्टी ने सोमवार को उन्हें फटकार लगाई और आगे से ऐसी टिप्पणियों से बचने की नसीहत दी।

पार्टी के मीडिया विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने कहा कि शमा की टिप्पणी कांग्रेस का मत नहीं है।

शमा ने सोशल मीडिया मंच ''एक्स'' पर रविवार देर रात पोस्ट किया था जिसमें उन्होंने शर्मा को 'मोटा' और 'अप्रभावी कप्तान' कहा था। उन्होंने अपने विवादित पोस्ट को हटा दिया है।

उनके इस पोस्ट पर भाजपा नेताओं सहित कई लोगों ने प्रतिक्रिया व्यक्त की तथा मुख्य विपक्षी दल को निशाने पर लिया। उनकी यह टिप्पणी ऐसे समय पर आई जब मौजूदा चैंपियंस ट्रॉफी में भारतीय क्रिकेट टीम लगातार विजय हासिल करते हुए सेमीफाइनल में जगह बना चुकी है।

शमा ने अपने पोस्ट में कहा था कि शर्मा ''एक खिलाड़ी होने के लिहाज से मोटे हैं।'' उन्होंने यह भी कहा था, ''उन्हें वजन कम करने की जरूरत है! ... और निश्चित रूप से भारत का अब तक का सबसे अप्रभावी कप्तान।''

खेड़ा ने कहा, ''भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ. शमा मोहम्मद ने क्रिकेट के एक दिग्गज के बारे में कुछ टिप्पणियां कीं जो पार्टी की स्थिति को प्रतिबिंबित नहीं करती हैं।'' उन्होंने कहा कि उन्हें (शमा को) 'एक्स' से, संबंधित पोस्ट हटाने के लिए कहा गया है और भविष्य में अधिक सावधानी बरतने की सलाह दी गई है। खेड़ा ने कहा, ''भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस खेल के नायकों के योगदान को सर्वोच्च सम्मान देती है और उनकी विरासत को कमजोर करने वाले किसी भी बयान का समर्थन नहीं करती।''

भाजपा नेता शहजाद पूनावाला ने शमा मोहम्मद की टिप्पणी को लेकर कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''जो लोग राहुल गांधी की कप्तानी में 90 चुनाव हार चुके हैं, वे रोहित शर्मा की कप्तानी को अप्रभावी बता रहे हैं। दिल्ली में छह बार शून्य पर आउट होना और 90 बार चुनावी हार प्रभावशाली है, लेकिन टी20 विश्व कप जीतना नहीं ! वैसे, कप्तान के रूप में रोहित का ट्रैक रिकॉर्ड शानदार है।''

भाजपा नेता और दिल्ली सरकार के मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा, ''यह बहुत शर्मनाक है कि कांग्रेस की एक आधिकारिक प्रवक्ता इस तरह का बयान दे रही है। यह कांग्रेस का बयान है। उन्हें लगता है कि केवल एक ही व्यक्ति हर चीज के लिए उपयुक्त है और वह हैं राहुल गांधी।'' उन्होंने कहा, ''वे देश के इतने खिलाफ हो चुके हैं कि आज हमारे देश के क्रिकेट कप्तान के खिलाफ अभद्र भाषा का इस्तेमाल कर रहे हैं। मुझे नहीं पता कि उनका इससे क्या मतलब है। यह वाकई शर्मनाक है और मैं इसकी निंदा करता हूं। पूरा देश कांग्रेस की मानसिकता देख रहा है।''

सामूहिक प्रयासों से एशियाई शेरों की आबादी में वृद्धि देखी गई : मोदी

प्रधानमंत्री ने गिर में सफारी का आनंद लिया, एशियाई शेरों के आवास के संरक्षण पर आदिवासियों को सराहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सासण (गुजरात)/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विश्व वन्यजीव दिवस के अवसर पर सोमवार की सुबह गुजरात के जूनागढ़ जिले में गिर वन्यजीव अभयारण्य में जंगल सफारी का आनंद लिया।

सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में मोदी ने कहा कि सामूहिक प्रयासों के कारण एशियाई शेरों की आबादी में लगातार वृद्धि देखी गई है। उन्होंने एशियाई शेरों के आवास को संरक्षित करने में आसपास के क्षेत्रों में रहने वाले आदिवासियों और महिलाओं के योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा, ''आज सुबह विश्व वन्यजीव दिवस पर मैं गिर में सफारी पर गया। जैसा कि हम सभी जानते हैं कि गिर, जंगल के राजा एशियाई शेरों का घर है। गिर आकर मुझे गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में हमारे द्वारा सामूहिक रूप से किए गए काम की कई यादें भी ताजा हो गईं।''

मोदी ने कहा, ''पिछले कई वर्षों में सामूहिक प्रयासों ने यह सुनिश्चित किया कि एशियाई शेरों की आबादी लगातार बढ़े। एशियाई शेरों के आवास को संरक्षित करने में आदिवासी समुदायों और आसपास के क्षेत्रों की महिलाओं की भूमिका भी उतनी ही सराहनीय है।'' उन्होंने एक अन्य ट्वीट में कहा, ''पिछले दशक में बाघों, तेंदुओं, गैंडों की आबादी में भी वृद्धि हुई है, जो दर्शाता है कि हम वन्यजीवों को कितना महत्व देते हैं और जानवरों के लिए स्थायी आवास बनाने के लिए काम कर रहे हैं।''

पिछले दशक में बाघों, तेंदुओं, गैंडों की आबादी में भी वृद्धि हुई है, जो दर्शाता है कि हम वन्यजीवों को कितना महत्व देते हैं और जानवरों के लिए स्थायी आवास बनाने के लिए काम कर रहे हैं।

प्रधानमंत्री ने सफारी के दौरान दिखे शेरों की तस्वीरें भी साझा कीं।

केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव, अन्य मंत्री और वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी सफारी के दौरान मोदी के साथ थे।

इसके बाद प्रधानमंत्री गिर वन्यजीव अभयारण्य के मुख्यालय सासण गिर में राष्ट्रीय वन्यजीव बोर्ड की सातवीं बैठक की अध्यक्षता करने पहुंचे।

एक सरकारी विज्ञप्ति में कहा गया है कि केंद्र सरकार ने एशियाई शेरों के संरक्षण के लिए 'प्रोजेक्ट लॉयन' के तहत 2,900 करोड़ रुपए से अधिक की राशि मंजूर की है। इन शेरों का एकमात्र निवास स्थान गुजरात है। विज्ञप्ति में कहा गया है कि वर्तमान में एशियाई शेर गुजरात के नौ जिलों के 53 तालुकाओं में लगभग 30,000 वर्ग किलोमीटर में निवास करते हैं।

इसके अलावा, एक राष्ट्रीय परियोजना के तहत जूनागढ़ जिले के न्यू पिपल्या में 20.24 हेक्टेयर से अधिक भूमि पर वन्यजीवों के चिकित्सीय निदान एवं रोग से बचाव के लिए एक 'राष्ट्रीय रेफरल केंद्र' स्थापित किया जा रहा है।

विज्ञप्ति में कहा गया है कि संरक्षण प्रयासों को मजबूत करने के वास्ते सासण में वन्यजीव निगरानी के लिए उच्च तकनीक से युक्त निगरानी केंद्र और एक अत्याधुनिक अस्पताल भी स्थापित किया गया है।

इससे पहले, सोमनाथ से आने के बाद मोदी ने सासण में वन अतिथि गृह 'सिंह सदन' में रात्रि विश्राम किया। रविवार शाम को उन्होंने सोमनाथ मंदिर में भगवान शिव की पूजा अर्चना की थी। यह 12 ज्योतिर्लिंगों में से सबसे पहला ज्योतिर्लिंग है। 'सिंह सदन' से प्रधानमंत्री जंगल सफारी पर गए, उनके साथ कुछ मंत्री और वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी भी थे।

मोदी ने रविवार को रिलायंस जामनगर रिफाइनरी परिसर में स्थित पशु बचाव, संरक्षण और पुनर्वास केंद्र 'वनतारा' का भी दौरा किया।

छत्तीसगढ़ सरकार ने 2025-26 के लिए 1,65,000 करोड़ रुपए का बजट पेश किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रायपुर/भाषा। छत्तीसगढ़ के वित्त मंत्री ओ पी चौधरी ने सोमवार को राज्य विधानसभा में वित्त वर्ष 2025-26 के लिए 1,65,000 करोड़ रुपए का बजट पेश किया और कहा कि यह 'गति' थीम पर आधारित है। इसमें सुशासन, बुनियादी ढांचे में तेजी, प्रौद्योगिकी और औद्योगिक विकास पर ध्यान केंद्रित किया गया है। उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष के बजट ने समावेशी विकास की नींव रखी थी, जबकि आज के बजट ने उस विकास यात्रा में अगला कदम प्रस्तुत किया है।

चौधरी ने बजट पेश करते हुए कहा कि पिछले वित्त वर्ष का बजट ज्ञान (गरीब, युवा, अन्नदाता और नारी) की थीम पर केंद्रित था, जबकि इस वर्ष के बजट का उद्देश्य ज्ञान के लिए ''गति'' (सुशासन, त्वरित अधोसंरचना, प्रौद्योगिकी, औद्योगिक विकास) की थीम के तहत राज्य में प्रगति को आगे बढ़ाना है। उन्होंने कहा कि 'गति' 2030 तक के मध्यकालिक लक्ष्य और 2047 तक के विकसित छत्तीसगढ़ के दीर्घकालिक लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए जरूरी है।

राज्य सरकार की नई पहलों पर प्रकाश डालते हुए वित्त मंत्री ने कहा कि दूरदराज के क्षेत्रों में मोबाइल टावर संपर्क प्रदान करने के लिए मुख्यमंत्री मोबाइल टावर योजना शुरू की जाएगी। इसी तरह उन क्षेत्रों में ग्राम पंचायत से ब्लॉक और जिला स्तर तक सार्वजनिक परिवहन सेवाएं प्रदान करने के लिए मुख्यमंत्री परिवहन योजना के तहत धन उपलब्ध कराया जाएगा, जहां जनसंख्या के कम घनत्व के कारण सार्वजनिक परिवहन उपलब्ध नहीं है। चौधरी ने कहा, ''500 नई सहकारी समितियां बनाई जाएंगी, राज्य में राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान (निफ्ट) की स्थापना की जाएगी। महानदी-इंद्रावती नदियों और सिकासार-कोडार नदियों को जोड़ने के लिए सर्वेक्षण किया जाएगा।'' उन्होंने कहा कि नवा रायपुर में मेडी सिटी, एजुकेशन सिटी और राष्ट्रीय शहरी प्रबंधन संस्थान की स्थापना की जाएगी। वित्त मंत्री ने कहा कि सभी ग्राम पंचायतों में यूपीआई (डिजिटल भुगतान) को बढ़ावा देने के लिए बजट में प्रावधान किया गया है। उन्होंने कहा कि बजट में कृषक उन्नति योजना के लिए 10 हजार करोड़ रुपए का आवंटन किया गया है, जिसका उद्देश्य कृषि समृद्धि को बढ़ावा देना है। साथ ही ग्रामीण आवास को उन्नत करने के लिए प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के लिए 8,500 करोड़ रुपए का आवंटन किया गया है। उन्होंने कहा कि महतारी वंदन योजना और मुख्यमंत्री खाद्य सहायता योजना जैसी कल्याणकारी योजनाओं को भी क्रमशः 5,500 करोड़ रुपए और 4,500 करोड़ रुपए का पर्याप्त वित्त पोषण प्राप्त हुआ है, जो महिलाओं को सशक्त बनाने और खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को पुष्ट करता है। इसके अतिरिक्त पांच एचपी तक के कृषि पंपों के लिए मुफ्त बिजली प्रदान करने के लिए 3,500 करोड़ रुपए अलग रखे गए हैं, जिससे किसानों पर वित्तीय बोझ कम होगा।

आरबीआई दिशानिर्देशों के उल्लंघन को लेकर ईडी ने पेटीएम को दिया 611 करोड़ रुपए का नोटिस

नई दिल्ली/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सोमवार को कहा कि उसने विभिन्न मामलों में फेमा के नियमों के 'उल्लंघन' के लिए पेटीएम की मूल कंपनी, उसके प्रबंध निदेशक और उससे जुड़ी इकाइयों को 611 करोड़ रुपए का कारण बताओ नोटिस जारी किया है। पेटीएम की 2023-24 की वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार, वित्तीय प्रौद्योगिकी (फिनटेक) क्षेत्र की प्रमुख कंपनी के संस्थापक विजय शेखर शर्मा, इसके चेयरमैन, प्रबंध निदेशक (एमडी) और मुख्य कार्यपालक अधिकारी हैं।

यह नोटिस न्यायिक कार्यवाही शुरू होने से पहले जांच एजेंसी के एक विशेष निदेशक ने जारी किया है। पेटीएम के प्रवक्ता ने कहा कि कंपनी कानून और नियामकीय प्रक्रियाओं के अनुसार मामले के समाधान के लिए काम कर रही है। प्रवर्तन निदेशालय ने बयान में कहा कि विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) के प्रावधानों के उल्लंघन के लिए पेटीएम की प्रमुख कंपनी वन97 कम्युनिकेशन लि. (ओसीएल), इसके प्रबंध निदेशक और लिटिल इंटरनेट प्राइवेट लि. और नियरबाय इंडिया प्राइवेट लि. जैसी पेटीएम की अन्य अनुषंगी कंपनियों को लगभग 611 करोड़ रुपए का कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है।

हाइड्रोजन ईंधन वाले वाहनों के लिए पांच पायलट परियोजनाएं शुरू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय ने सोमवार को कहा कि सरकार ने राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन के तहत परीक्षण के लिए हाइड्रोजन ईंधन आधारित वाहनों का उपयोग करने को लेकर पांच पायलट परियोजनाएं शुरू की हैं। देशभर में पायलट परियोजनाओं के तहत परीक्षण के लिए बसों और ट्रकों सहित 37 हाइड्रोजन-ईंधन वाले वाहनों का उपयोग किया जाएगा।

मंत्रालय ने बयान में कहा कि ये वाहन देशभर में 10 अलग-अलग मार्गों पर चलेंगे। बयान के अनुसार, उपरोक्त परियोजनाएं टाटा मोटर्स लि., रिलायंस इंडस्ट्रीज लि., एनटीपीसी, एएनईआरटी, अशोक लेलैंड, एचपीसीएल, बीपीसीएल और आईओसीएल जैसी प्रमुख कंपनियों को दी गई हैं। राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन के हिस्से के रूप में, सरकार ने बसों और ट्रकों में हाइड्रोजन का उपयोग करने के लिए पांच पायलट परियोजनाएं शुरू की हैं। इससे पहले, मंत्रालय ने इस मिशन के तहत परिवहन क्षेत्र में पायलट परियोजनाओं को लागू करने के लिए दिशानिर्देश जारी किए थे। मंत्रालय ने कहा कि उसके अनुसार विभिन्न प्रकार के हाइड्रोजन-आधारित वाहनों, मार्गों और हाइड्रोजन ईंधन भरने वाले स्टेशनों के लिए प्रस्ताव आमंत्रित किए गए थे। विस्तृत जांच के बाद, कुल 37 वाहनों (बसों और ट्रकों) और नौ हाइड्रोजन ईंधन स्टेशन से जुड़ी पांच पायलट परियोजनाओं को मंजूरी दी गयी है। उपलब्ध कराई गई चयनित परियोजनाओं के लिए केंद्र से कुल वित्तीय सहायता लगभग 208 करोड़ रुपए होगी।

पहले सर्वेक्षण में भारत में 6,300 से अधिक नदी डॉल्फिन पाई गईं

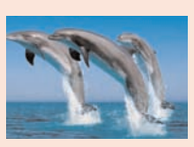

नई दिल्ली/भाषा। भारत में नदी डॉल्फिन के पहले संख्या अनुमान से गंगा, ब्रह्मपुत्र और सिंधु नदियों में 6,324 डॉल्फ़िन की मौजूदगी का पता चला है। यह जानकारी सोमवार को प्रकाशित एक सरकारी रिपोर्ट से मिली। गंगा नदी डॉल्फिन अपनी अनूठी विशेषताओं के लिए जानी जाती है तथा भारत, बांग्लादेश, नेपाल और भूटान में गंगा-ब्रह्मपुत्र-मेघना नदियों और इसकी सहायक नदियों में पाई जाती है। कुछ सिंधु नदी डॉल्फिन भारत में सिंधु नदी में पाई जाती है। 'प्रोजेक्ट डॉल्फिन' के एक हिस्से के रूप में, आठ राज्यों - उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, राजस्थान, मध्य प्रदेश, पश्चिम बंगाल, असम और पंजाब में नदी डॉल्फिन की संख्या का अनुमान लगाने के लिए पहली बार एक व्यापक सर्वेक्षण किया गया। भारत में नदी डॉल्फिन की संख्या स्थिति रिपोर्ट के अनुसार, यह विश्व के सबसे बड़े मीठे पानी के सर्वेक्षणों में से एक है, जिसमें गंगा और ब्रह्मपुत्र में गंगा नदी डॉल्फिन की संपूर्ण शृंखला, तथा व्यास नदी में सिंधु नदी डॉल्फिन को शामिल किया गया है। इसमें कहा गया है कि सर्वेक्षण में 6,324 गंगा नदी डॉल्फिन (रेंज: 5,977-6,688) और तीन सिंधु नदी डॉल्फ़िन होने का अनुमान जताया गया। इसमें कहा गया है कि निष्कर्षों से पता चलता है कि डॉल्फ़िन पर्याप्त पानी की गहराई और न्यूनतम मानवीय व्यवधान वाले क्षेत्रों में पायी जाती हैं।

बुलेट ट्रेन परियोजना: 386 किमी तक खंभों का आधार तैयार, पटरी बिछाना अभी बाकी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना से जुड़े काम में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है और इसके तहत 27 फरवरी, 2025 तक 386 किलोमीटर तक खंभों का आधार (पियर फाउंडेशन) तैयार करने समेत 272 किमी लंबे 'वायडक्ट' का काम पूरा कर लिया गया है जबकि इसकी कुल लंबाई 508 किलोमीटर है। 'नेशनल हाई स्पीड रेल कॉरपोरेशन लि.' (एनएचएसआरसीएल) ने सोमवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि पटरी बिछाने का काम अभी शुरू किया जाना बाकी है।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने गत शनिवार को इसकी प्रगति की समीक्षा करने के लिए अहमदाबाद का दौरा किया और निर्माण कार्य की गति पर संतोष व्यक्त किया। एनएचएसआरसीएल के अनुसार, 386 किलोमीटर तक 'पियर फाउंडेशन' का काम पूरा होने के अलावा, 372 किलोमीटर की दूरी तक खंभे तैयार करने का काम पूरा हो गया है और 305 किलोमीटर पर 'गर्डर कास्टिंग' भी की गई है। सिविल इंजीनियरिंग कार्य में लगे विशेषज्ञों ने बताया कि 'पियर फाउंडेशन' पहला चरण है जिसके तहत जमीन के नीचे एक बड़े व्यास वाले बेलनाकार स्तंभ के लिए आधार खोदा जाता है। जब इस स्तंभ को कंक्रीट और धातु का उपयोग करके जमीन के ऊपर बनाया जाता है तो इसे 'पियर कार्य' कहा जाता है। विशेषज्ञों के अनुसार, दो खंभों (पियर) को जोड़ने के लिए उनके ऊपर रखे गए कंक्रीट के 'सुपरस्ट्रक्चर' को 'गर्डर कास्टिंग' के रूप में जाना जाता है और जब ऐसी संरचनाओं की एक शृंखला तैयार हो जाती है, तो इसे 'वायडक्ट' कहा जाता है। एनएचएसआरसीएल ने कहा कि 305 किलोमीटर तक गर्डर कास्टिंग का काम पूरा हो चुका है और 'ट्रैक बेड' (जिस पर अंततः पटरी बिछाई जाएगी) गुजरात में 112 किलोमीटर तक तैयार किया जा चुका है। एनएचएसआरसीएल की ओर से जारी एक विज्ञप्ति में कहा गया है, ''गुजरात में ओवरहेड विद्युतीकरण का काम शुरू हो गया है।'' अधिकारियों ने कहा कि हालांकि अभी पटरी बिछाने का काम शुरू नहीं हुआ है, लेकिन जल्द ही यह काम शुरू हो जाएगा क्योंकि इससे जुड़े सभी अन्य बुनियादी ढांचे का काम पूरा हो चुका है।

वैश्विक भू-राजनीतिक स्थिति के बावजूद इस्पात की मांग बढ़ती रहेगी: टाटा संस चेयरमैन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जमशेदपुर/भाषा। टाटा संस के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन ने सोमवार को कहा कि मौजूदा वैश्विक भू-राजनीतिक स्थिति के बावजूद इस्पात की मांग बढ़ेगी।

चंद्रशेखरन ने टाटा स्टील के संस्थापक जे एन टाटा की 186वीं जयंती पर आयोजित समारोह में कहा कि सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि ''इस्पात की मांग बढ़ती रहेगी और ऐसी स्थिति का सामना करने का सबसे अच्छा तरीका दक्षता और लागत प्रबंधन के साथ तैयार रहना और उत्पादकता बढ़ाना है।'' उन्होंने यह भी कहा कि कंपनी को प्रौद्योगिकी अपनाने के लिए सरकार, उसकी नीतियों, कर्मचारियों और श्रमिक संघों की मदद की जरूरत होगी। चंद्रशेखरन ने कहा, ''प्रबंधन को विस्तार करने, दक्षता बनाए रखने, लागत प्रबंधन और उत्पादकता बढ़ाने के लिए साहसी होना होगा। साथ ही जमशेदपुर सहित निवेश जारी रखने का भरोसा देना होगा।'' शुल्क वृद्धि पर जारी बहस के बारे में पूछने पर उन्होंने कहा कि ''कीमत/ शुल्क क्या होगा, इस बारे में बात करने का कोई मतलब नहीं है। हमें अपनी उत्पादकता पर ध्यान केंद्रित करना होगा।''

शुल्क सरकार द्वारा लगाए और वसूले जाते हैं और विदेशी सामान को देश में लाने के लिए कंपनियां इसका भुगतान करती हैं। सेमीकंडक्टर उद्योग पर टिप्पणी करते हुए चंद्रशेखरन ने कहा कि कंपनियों की चिप पर निर्भरता बढ़ेगी, जो इलेक्ट्रॉनिक, स्वास्थ्य सेवा, रक्षा और एयरोस्पेस सहित विभिन्न क्षेत्रों के लिए महत्वपूर्ण होंगे। उन्होंने कहा, ''हमें इस क्षेत्र में आत्मनिर्भर होना होगा और टाटा समूह ने सेमी-कंडक्टर संयंत्र स्थापित करने के लिए असम और गुजरात में निवेश किया है।''

इससे पहले, चंद्रशेखरन ने टाटा स्टील के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) और प्रबंध निदेशक टी वी नरेंद्रन और कार्यकारी निदेशक एवं मुख्य वित्त अधिकारी कौशिक चटर्जी के साथ जे एन टाटा को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि दी।

अगले छह महीने में निजी निवेश पटरी पर आने की उम्मीद : डॉ. अरविंद विरमानी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। विनिर्माण क्षेत्र में चीन के बढ़ते दबदबे से दुनियाभर के निवेशकों में पैदा हुई अनिश्चितता की स्थिति की ओर ध्यान दिलाते हुए नीति आयोग के सदस्य डॉ. अरविंद विरमानी ने अगले छह महीने में निजी निवेश के पटरी पर आने की उम्मीद जतायी है। विरमानी ने यह भी कहा कि वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद चालू वित्त वर्ष में देश की आर्थिक वृद्धि दर 6.5% रहने की उम्मीद है।

नीति आयोग के सदस्य ने पीटीआई-भाषा से विशेष बातचीत में कहा, ''दुनिया में अनिश्चितता बढ़ गयी है। अमेरिका में शुल्क दरों की घोषणा के साथ चीन के कदम से भी अनिश्चितता बढ़ रही है। चीन सोच-विचार कर विनिर्माण क्षेत्र में एकाधिकार बढ़ा रहा है, जिसपर हमारा ध्यान नहीं जाता।'' निजी निवेश से जुड़े एक सवाल के जवाब में विरमानी ने कहा, ''निजी निवेश वैश्विक स्तर पर जारी उथल-पुथल से भी जुड़ा है। लोग यह भूल गये हैं कि चीन में क्षमता बढ़ती जा रही है... बाजार अर्थव्यवस्था में जब क्षमता उपयोग कम होता है तो निवेश घटता है। यह फ्रांस और ब्रिटेन में देखा जा सकता है। लेकिन चीन में निवेश जारी है। इसका क्या मतलब है? वहां मांग उतनी ही है लेकिन निवेश बढ़ रहा है और क्षमता भी बढ़ रही है।''

भारतीय स्टेट बैंक की एक रिपोर्ट के अनुसार सकल पूंजी निर्माण यानी कुल निवेश वित्त वर्ष 2023-24 में घटकर 31.4 प्रतिशत रहा जो वित्त वर्ष 2022-23 में 32.6 प्रतिशत था। इसका प्रमुख कारण निजी क्षेत्र के निवेश में कमी है। यह वित्त वर्ष 2023-24 में घटकर जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) के 24 प्रतिशत पर आ गया, जो 2022-23 में 10 साल के उच्चतम स्तर यानी जीडीपी का 25.8 प्रतिशत था। विरमानी के अनुसार, चीन सोच-विचार कर यह कर रहा है। इसीलिए हम प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) को आकर्षित करने समेत मुक्त व्यापार समझौते कर रहे हैं। यूरोप के साथ व्यापार समझौते पर बातचीत जारी है और अमेरिका के साथ भी इस पर काम करने पर सहमति बनी है।'' विरमानी के अनुसार, ''वास्तव में एक नई समस्या खड़ी हो गयी है। लेकिन मेरा ख्याल है कि अगले छह महीने में अनिश्तता कम हो जाएगी और निजी निवेश पटरी पर आने की उम्मीद है।'' आर्थिक वृद्धि के बारे में पूछे जाने पर विरमानी ने कहा, ''एक तिमाही (चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही) में नरमी आई थी। कई कारण हो सकते हैं। एक कारण दुनिया में अनिश्चितता का बढ़ना है...।''

नीति आयोग के सदस्य ने कहा, ''यह हो सकता है कि तीन से छह महीने में वैश्विक आर्थिक गतिविधियों को लेकर जो अनिश्चितता कुछ कम हो तो इसका सकारात्मक अप्रत्यक्ष असर हो सकता है। इसके बावजूद मेरा मानना है कि चालू वित्त वर्ष में वृद्धि दर कम-से-कम 6.5 प्रतिशत रहेगी।'' देश की आर्थिक वृद्धि दर चालू वित्त वर्ष की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में घटकर 6.2 प्रतिशत रही है। कृषि को छोड़कर खनन, विनिर्माण और अन्य सभी क्षेत्रों का प्रदर्शन खराब रहने से इसमें सुस्ती आई है। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) के पिछले सप्ताह जारी दूसरे अग्रिम अनुमान अनुमान के अनुसार, वृद्धि दर के अनुमान को बढ़ाकर 6.5 प्रतिशत कर दिया गया है।हालांकि, तिमाही आधार पर आर्थिक वृद्धि दर में सुधार दर्ज किया गया है। चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में वृद्धि दर 5.6 प्रतिशत रही थी, जो लगभग दो साल का निचला स्तर है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के शुल्क बढ़ाकर व्यापार युद्ध शुरू करने के प्रभाव के बारे में पूछे जाने पर विरमानी ने कहा, हमें इस बात से मतलब है कि वे (अमेरिका) क्या कदम उठाते हैं।

निजी डेटा के कुछ हिस्से से छेड़छाड़ का 87% भारतीयों को संदेह : रिपोर्ट

नई दिल्ली/भाषा। नागरिकों के एक बड़े हिस्से का मानना है कि उनके निजी डेटा का कुछ अंश पहले से ही सार्वजनिक डोमेन या डेटाबेस में पहुंच चुका है और उसकी सुरक्षा खतरे में पड़ चुकी है। एक सर्वेक्षण रिपोर्ट में यह बात कही गई है। ऑनलाइन मंच लोकलसर्किल्स ने सोमवार को पेश एक सर्वेक्षण रिपोर्ट में कहा कि 87 प्रतिशत नागरिकों को लगता है कि उनका व्यक्तिगत डेटा सार्वजनिक रूप से लीक हो गया था। सर्वेक्षण के दौरान 25 अगस्त, 2024 से 28 फरवरी, 2025 के बीच देश के 375 जिलों में रहने वाले नागरिकों से 36,000 से अधिक प्रतिक्रियाएं ली गईं। हालांकि, प्रत्येक प्रश्न पर प्रतिक्रियाओं की संख्या अलग-अलग थी। अधिकांश उत्तरदाताओं ने सार्वजनिक डोमेन में अपने डेटा से समझौता करने के लिए दूरसंचार कंपनियों, ई-कॉमर्स मंचों, बैंकों और वित्तीय सेवा प्रदाताओं, सरकारी विभागों आदि को दोषी ठहराया है।

पीडीएस की जरूरत पूरी करने, बाजार में हस्तक्षेप के लिए गेहूं का पर्याप्त स्टॉक: खाद्य सचिव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पणजी (गोवा)/भाषा। केंद्रीय खाद्य सचिव संजीव चोपड़ा ने कहा कि सरकार के पास कल्याणकारी योजनाओं की जरूरतों को पूरा करने तथा कीमत नियंत्रण के लिहाज से बाजार हस्तक्षेप करने के लिए गेहूं का पर्याप्त स्टॉक है।

उन्होंने कहा कि केंद्र ने मुक्त बाजार बिक्री योजना (ओएमएसएस) के तहत इस वित्त वर्ष में आटा मिलों और प्रसंस्करण इकाइयों को 30 लाख टन गेहूं बेचा है और इस बात पर जोर दिया कि इसका लाभ उपभोक्ताओं को दिया जाना चाहिए। रोलर फ्लोर मिलर्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (आरएफएमएफआई) द्वारा आयोजित एक सम्मेलन में चोपड़ा के संदेश को पढ़ा गया। इसमें उन्होंने कहा कि केंद्र, लक्षित सार्वजनिक वितरण योजना व अन्य कल्याणकारी योजनाओं के तहत खाद्यान्नों की कुशल खरीद, सुरक्षित भंडारण और समय पर वितरण जैसी पहल के माध्यम से भारत के प्रत्येक नागरिक के लिए खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

कर्ज लेने वाली महिलाओं की संख्या पांच साल में सालाना 22 प्रतिशत बढ़ी: रिपोर्ट

नई दिल्ली/भाषा। भारत में कर्ज लेने वाली महिलाओं की संख्या पिछले पांच वर्षों में 22% की सालाना दर से बढ़ी है, जिनमें से अधिकांश कस्बों और ग्रामीण क्षेत्रों से हैं। सोमवार को एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। रिपोर्ट के मुताबिक, महिलाओं के ऋण का बड़ा हिस्सा उपभोग की मांग को पूरा करने के लिए था और तुलनात्मक रूप से व्यवसायों के लिए कम कर्ज लिया गया। नीति आयोग के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) बी वी आर सुब्रमण्यम ने 'भारत में वित्तीय वृद्धि की कहानी में महिलाओं की भूमिका' शीर्षक वाली यह रिपोर्ट जारी की। यह रिपोर्ट ट्रांसयूनियन सिबिल, नीति आयोग के महिला उद्यमिता मंच और माइक्रोसेव कंसल्टिंग ने प्रकाशित की है।

स्कूली छात्रों के स्मार्टफोन उपयोग करने पर पूरी तरह प्रतिबंध अवांछनीय : अदालत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली उच्च न्यायालय ने हाल में कहा कि स्कूली छात्रों के स्मार्टफोन के उपयोग पर पूर्ण प्रतिबंध एक 'अवांछनीय और अव्यावहारिक' दृष्टिकोण है और इसे विनियमित किया जाना चाहिए तथा निगरानी रखी जानी चाहिए।

न्यायमूर्ति अनूप जयराम भंभानी ने दिशा-निर्देश जारी किए जो स्कूली छात्रों को स्मार्टफोन के उपयोग की अनुमति देने के लाभकारी और हानिकारक प्रभावों को संतुलित करने के लिए मार्गदर्शक सिद्धांतों के रूप में काम करेंगे। न्यायालय ने कहा कि स्कूलों को छात्रों को जिम्मेदार ऑनलाइन व्यवहार, डिजिटल शिष्टाचार और स्मार्टफोन के नैतिक उपयोग के बारे में शिक्षित करना चाहिए। न्यायालय ने कहा कि छात्रों को यह भी सलाह दी जानी चाहिए कि स्क्रीन-टाइम और सोशल मीडिया पर अधिक समय बिताने से चिंतित रहने, एकाग्रता कम होने और इंटरनेट पर डराने धमकाने की घटनाएं हो सकती हैं। न्यायाधीश ने 28 फरवरी को पारित आदेश में कहा, ''प्रौद्योगिकी के उपयोग के संबंध में पिछले वर्षों में बहुत कुछ बदल गया है, जिसमें शैक्षिक और अन्य संबंधित उद्देश्य शामिल हैं...इसलिए, स्कूल जाने वाले छात्रों के स्मार्टफोन के उपयोग पर पूर्ण प्रतिबंध लगाना एक अवांछनीय और अव्यावहारिक दृष्टिकोण है।'' अदालत ने कहा कि स्मार्टफोन के अंधाधुंध उपयोग या दुरुपयोग के हानिकारक प्रभावों को अलग रख दें तो ये उपकरण माता-पिता और बच्चों के बीच समन्वय में मदद करने और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने सहित लाभकारी उद्देश्यों की भी पूर्ति करते हैं। उसने कहा, ''नीतिगत मामले के अनुसार छात्रों को स्कूल में स्मार्टफोन ले जाने से नहीं रोका जाना चाहिए, लेकिन स्कूल में स्मार्टफोन के उपयोग को विनियमित किया जाना चाहिए और निगरानी रखी जानी चाहिए।'' अदालत ने कहा कि जहां भी स्मार्टफोन सुरक्षित तरीके से जमा करने की व्यवस्था करना संभव हो, छात्रों को स्कूल में प्रवेश करने पर इन्हें जमा करने और घर लौटते समय वापस लेना चाहिए।

विशेष दर्जे पर जम्मू-कश्मीर विधानसभा का प्रस्ताव खारिज नहीं हुआ: मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जम्मू/भाषा। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा कि जम्मू-कश्मीर विधानसभा द्वारा पिछले साल अपने पहले सत्र में विशेष दर्जे के मुद्दे पर पारित किए गए प्रस्ताव को केंद्र सरकार ने खारिज नहीं किया है जो बड़ी बात है और इस बात पर बल दिया कि अगस्त 2019 में निरस्त किए गए अनुच्छेद-370 पर कोई अन्य प्रस्ताव लाने की जरूरत नहीं है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी विधायकों को मिलकर काम करना चाहिए ताकि सरकार को लोगों के हितों की प्राथमिकताओं को पूरा करने में मदद मिले। जब यह पूछा गया कि कुछ सदस्य अनुच्छेद-370 को निरस्त करने की निंदा करने के लिए एक नया प्रस्ताव लाने की योजना बना रहे हैं तो इस पर विधानसभा के बाहर मुख्यमंत्री ने कहा, ''हमें जो करना था, वह पहले (विधानसभा) सत्र (नवंबर 2024) में ही कर दिया। सदन द्वारा पारित प्रस्ताव अब भी कायम है। पीडीपी और अन्य ने प्रस्ताव पारित करने में हमारी मदद की और यह अब भी कायम है जो बड़ी बात है।'' जम्मू-कश्मीर विधानसभा का 40 दिवसीय बजट सत्र उपराज्यपाल मनोज सिन्हा के अभिभाषण के साथ शुरू हुआ। सत्र में कुल 22 बैठकें होंगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि कुछ लोग सोच रहे हैं कि विशेष दर्जे पर कोई भी प्रस्ताव केंद्र सरकार द्वारा सीधे तौर पर खारिज कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा, ''प्रस्ताव खारिज नहीं किया गया और यह अभी भी कायम है, इसलिए इस पर आगे बात करने की कोई जरूरत नहीं है।'' जम्मू-कश्मीर विस ने छह नवंबर को एक प्रस्ताव पारित किया था जिसमें केंद्र से तत्कालीन राज्य के विशेष दर्जे को बहाल करने के लिए एक संवैधानिक तंत्र तैयार का आग्रह किया गया था।

द्रविड़ विचारधारा ने आर्यों और द्रविड़ों के बीच मतभेदों की कहानी गढ़ी : तमिलनाडु के राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के राज्यपाल आर एन रवि ने सोमवार को दावा किया कि द्रविड़ विचारधारा ने पिछले 60-70 वर्षों में आर्यों और द्रविड़ों के बीच मतभेदों की कहानी गढ़ी है। उन्होंने कहा कि भारतीय साहित्य में आर्य शब्द का इस्तेमाल जाति के रूप में नहीं किया गया है। उन्होंने कहा कि संगम या वैदिक साहित्य में से किसी ने भी आर्य शब्द का इस्तेमाल जाति के रूप में नहीं किया है।

राज्यपाल ने यहां डीजी वैष्णव कॉलेज में सिंधु सभ्यता: इसकी संस्कृति और लोग - पुरातात्विक अंतर्दृष्टि' पर दो दिवसीय सम्मेलन के उद्घाटन के अवसर पर कहा, वास्तव में, तमिल साहित्य में भी आर्य शब्द का इस्तेमाल जाति के रूप में नहीं किया गया है। पिछले 60-70 वर्षों में द्रविड़ विचारधारा ने आर्यों और द्रविड़ों के बीच मतभेदों की कहानी गढ़ी है।

रवि ने अपने भाषण में इस बात पर रोशनी डाली कि किस तरह वेदों के माध्यम से इस सभ्यता द्वारा दिए गए ज्ञान ने हजारों वर्षों से भारत और उसकी संस्कृति के विचार और पहचान को आकार दिया है और कैसे सृष्टि की एकता और सार्वभौमिक भाईचारे के इसके मूल्य हमारे व्यक्तिगत, राष्ट्रीय और वैश्विक दृष्टिकोण को परिभाषित और प्रेरित करते रहते हैं। उन्होंने लोगों से इस सभ्यता को लंबे समय से चली आ रही बौद्धिक और राजनीतिक हिंसा से बचाने का आग्रह किया, जो यूरोपीय उपनिवेशवादियों के साथ-साथ मार्क्सवादी और द्रविड़ विचारधाराओं से जुड़े लोगों द्वारा विकृतियों और गलत व्याख्याओं के माध्यम से की गई है, जिन्होंने आर्य आक्रमण व आर्य जाति के सिद्धांतों का झूठा प्रचार किया। उन्होंने कहा, उपग्रह चित्रों और परमाणु भौतिकी सहित आधुनिक विज्ञान ने सरस्वती-सिंधु सभ्यता के वैदिक सभ्यता होने के ऐतिहासिक सत्य को स्थापित किया है, जिसने पूरे भारत को अपने में समाहित कर लिया था। राज्यपाल ने आग्रह किया कि हमारे व्यापक राष्ट्रीय पुनरुत्थान के समय में, लोगों को सरस्वती-सिंधु सभ्यता के ऐतिहासिक रूप से सही आख्यान को प्रसारित करने में सक्रिय होना चाहिए।

परिसीमन पार्टी का नहीं, तमिलनाडु के अधिकारों का मुद्दा है : स्टालिन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नागपट्टिनम। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने सोमवार को कहा कि परिसीमन का सवाल तमिलनाडु के अधिकारों और उसके हितों की रक्षा से जुड़ा है और इसलिए इस मामले का राजनीतिक मूल्यांकन नहीं किया जाना चाहिए।

राज्य में सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के अध्यक्ष स्टालिन ने यहां एक समारोह को संबोधित करते हुए आरोप लगाया कि केंद्र सरकार त्रि-भाषा नीति को दबाव के तहत लागू करने की योजना बना रही है और इसी तरह परिसीमन अभ्यास में वह तमिलनाडु के लिए सीटों की संख्या में कटौती करने का प्रयास कर रही है।

इस पृष्ठभूमि में प्रस्तावित परिसीमन अभ्यास पर पांच मार्च को एक सर्वदलीय बैठक आयोजित की जा रही है और 40 में से अधिकतर दलों ने अपनी भागीदारी की पुष्टि की है जबकि कुछ अन्य ने कहा है कि वे इसमें भाग नहीं लेंगे। मुख्यमंत्री ने ऐसे दलों से अपील की है कि वे इस मुद्दे को राजनीति के चश्मे से न देखें। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और पूर्व केंद्रीय मंत्री जी. के. वासन के नेतृत्व वाली तमिल मनीला कांग्रेस (मूपनार)(टीएमसी-मूपनार) प्रमुख दल हैं जिन्होंने कहा कि वे बैठक में भाग नहीं लेंगे।

स्टालिन ने कहा, मैं उनसे अपील करना चाहूंगा कि कृपया इस पर विचार करें। यह द्रमुक और आपकी पार्टी के बीच का मुद्दा नहीं है। उन्होंने अपील की कि यह मुद्दा तमिलनाडु और उसके हितों एवं अधिकारों के बारे में है। इसलिए जिन दलों ने घोषणा की है कि वे भाग नहीं लेंगे, उन्हें भी इसमें भाग लेना चाहिए।

शादी के तुरंत बाद बच्चे पैदा करें, जनसंख्या को सांसदों की संख्या लिहाज से देखें : स्टालिन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नागपट्टिनम। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने युवाओं को शादी के तुरंत बाद बच्चे पैदा करने की सलाह दी और कहा कि अधिक जनसंख्या अधिक संसदीय सीटें पाने का मानदंड प्रतीत होती है। द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) अध्यक्ष स्टालिन ने एक विवाह समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि कई साल पहले नवविवाहितों को सलाह दी जाती थी कि वे शादी के तुरंत बाद बच्चे पैदा न करें।

उन्होंने कहा कि हालांकि, अब यह सलाह नहीं दी जानी चाहिए और इसकी कोई जरूरत भी नहीं है। स्टालिन ने कहा कि ऐसा इसलिए क्योंकि अब ऐसी स्थिति पैदा हो गई है कि अधिक जनसंख्या होने पर ही अधिक सांसद सुनिश्चित होंगे क्योंकि परिसीमन की प्रक्रिया जनसंख्या के आधार पर होगी। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु ने जनसंख्या नियंत्रण पर ध्यान दिया और इसमें सफल रहा लेकिन आज राज्य इसका परिणाम भुगत रहा है। उन्होंने दूल्हा-दुल्हन से अपील करते हुए कहा, मैं आपसे यह नहीं कहूंगा कि आप जल्दबाजी में बच्चे पैदा न करें, बल्कि तुरंत बच्चे पैदा करें; और उन्हें सुंदर तमिल नाम दें।

स्टालिन ने कहा कि परिसीमन का सवाल तमिलनाडु के अधिकारों और उसके हितों की रक्षा से जुड़ा है, इसलिए इस मामले का राजनीतिक मूल्यांकन नहीं किया जाना चाहिए। स्टालिन ने आरोप लगाया कि

केंद्र सरकार त्रि-भाषा नीति को दबाव के तहत लागू करने की योजना बना रही है और इसी तरह परिसीमन कवायद में वह तमिलनाडु के लिए सीटों की संख्या में कटौती करने का प्रयास कर रही है।

इस पृष्ठभूमि में प्रस्तावित परिसीमन कवायद पर पांच मार्च को एक सर्वदलीय बैठक आयोजित की जा रही है और 40 में से अधिकतर दलों ने अपनी भागीदारी की पुष्टि की है। कुछ दलों ने कहा है कि वे इसमें भाग नहीं लेंगे। मुख्यमंत्री ने ऐसे दलों से अपील की है कि वे इस मुद्दे को राजनीति के चश्मे से न देखें। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और पूर्व केंद्रीय मंत्री जी के वासन के नेतृत्व वाली पार्टी तमिल मनीला कांग्रेस (मूपनार) ने कहा कि वह बैठक में भाग नहीं लेगी। स्टालिन ने कहा, मैं उनसे अपील करना चाहूंगा कि कृपया इस पर विचार करें। यह द्रमुक और आपकी पार्टी के बीच का मुद्दा नहीं है।

उन्होंने अपील की कि यह मुद्दा तमिलनाडु और उसके हितों एवं अधिकारों के बारे में है। स्टालिन ने कहा कि, इसलिए जिन दलों ने घोषणा की है कि वे भाग नहीं लेंगे, उन्हें भी इसमें भाग लेना चाहिए।

तिरुमला को 'उड़ान निषिद्ध' क्षेत्र घोषित करने के टीटीडी के अनुरोध पर चर्चा : नागरिक उड्डयन मंत्री

चेन्नई/हैदराबाद। तिरुमला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) ट्रस्ट बोर्ड के अध्यक्ष बी. आर. नायडू द्वारा केंद्र से तिरुमाला को 'उड़ान निषिद्ध' क्षेत्र घोषित करने का अनुरोध किए जाने के बाद केंद्रीय मंत्री के. राममोहन नायडू ने रविवार को कहा कि वह संबंधित अधिकारियों के साथ बातचीत कर रहे हैं ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि उड़ानें वैकल्पिक मार्गों से गुजरें।

उन्होंने शनिवार को राममोहन नायडू से हस्तक्षेप करने और तिरुमला को 'उड़ान निषिद्ध' क्षेत्र घोषित करने का आग्रह किया था।

नागरिक उड्डयन मंत्री ने एक प्रश्न के उत्तर में पत्रकारों से कहा, खबरों में यह भी प्रकाश में आया है कि कुछ विमान तिरुमाला पहाड़ियों के आसपास होकर उड़ते हैं। हम दिशा-निर्देशन और हवाई यातायात नियंत्रण (एटीसी) विभाग के साथ चर्चा कर रहे हैं ताकि उड़ानें वैकल्पिक मार्गों से गुजरें।

हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि देश में फिलहाल उड़ान निषिद्ध' क्षेत्र संबंधी कोई प्रावधान नहीं है। राममोहन नायडू ने यह भी कहा कि तेलंगाना के वारंगल में ममनूर हवाई अड्डे का निर्माण कार्य भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया को अंतिम रूप दिए जाने के बाद अगले ढाई वर्ष में पूरा हो जाएगा।

स्टालिन, उदयनिधि पर पलानीस्वामी का हमला, कहा,

बाप-बेटे को नीट के रहस्य का खुलासा करना चाहिए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। अन्नाद्रमुक महासचिव एडप्पादी के पलानीस्वामी ने सोमवार को कहा कि मुख्यमंत्री एम के स्टालिन एवं उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन को मेडिकल पाठ्यक्रम में प्रवेश की परीक्षा 'नीट' (एनईईटी) को रद्द कराने के लिये उनकी पार्टी के 'रहस्य' का खुलासा करना चाहिये ।

विपक्ष के नेता ने आग्रह किया कि यदि ऐसा नहीं किया जाता है तो उन्हें यह स्वीकार कर लेना चाहिए कि द्रमुक ने नीट रद्द करने लेकर इस मुद्दे पर झूठ बोला था और उन्हें इससे संबंधित मौतों को कम से कम अब से रोकने के लिए कार्य करना चाहिए।

नीट परीक्षा के भय के कारण प्रदेश के विल्लुपुरम जिले के तिन्दीवनम में एक छात्रा इन्दुमती की मौत पर शोक जताते हुये पलानीस्वामी ने पीड़ित परिवार के प्रति संवदेना जतायी।

पलानीस्वामी कथित नीट गोपनीय-'राजनीतिक ड्रामा' को लेकर द्रमुक पर निशाना साधते रहे हैं। उन्होंने दो मार्च को थेनी में एक सार्वजनिक बैठक में मांग की कि नीट को लेकर छात्रा की मौत की जिम्मेदारी द्रमुक शासन ले। पलानीस्वामी ने द्रमुक को झूठी उम्मीद जगा कर कथित तौर पर छात्रों को 'भ्रम' में रखने के लिए दोषी ठहराया।

उन्होंने नीट को रद्द करने के लिए द्रमुक के पास कोई 'रहस्य' होने का दावा किया था। प्रदेश में 2021 में सत्ता संभालने के बाद से द्रमुक अब तक अपने 'नीट रहस्य' का खुलासा नहीं कर सका है।

पलानीस्वामी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, बाप और बेटे को तत्काल नीट के रहस्य का खुलासा करना चाहिये। अगर वह ऐसा नहीं करते हैं तो उन्हें यह स्वीकार कर लेना चाहिये कि द्रमुक ने (इस मुद्दे पर) झूठ बोला है।

बाइक स्टंट के लिए व्यक्ति पर मामला दर्ज किया गया

तिरुचिरापल्ली। तमिलनाडु के तिरुचिरापल्ली जिले में तिरुचि-चेन्नई राष्ट्रीय राजमार्ग पर खतरनाक तरीके से बाइक चलाने वाले 28 साल के व्यक्ति ने लोगों से अपना वीडियो दिखाते हुए यह अपील की है कि वे इस तरह की गलती न करें और दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट जरूर पहनें। पुलिस ने बताया कि व्यक्ति के खिलाफ खतरनाक बाइक स्टंट के लिये मामला दर्ज किया गया था। पुलिस ने बताया कि ई. पुदुर निवासी पी. बालकृष्णन को 25 फरवरी को बाइक के सीट पर बैठकर बिना हैंडल पकड़े वाहन चलाते हुए देखा गया था। इस खतरनाक स्टंट का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया जिसमें युवक बिना हैंडन पकड़े ही बाइक चलाते नजर आया। वीडियो पर लोगों ने आश्चर्य जताया कि बिना हैंडल पकड़े और स्पीड को नियंत्रित किए वह कैसे सफर कर रहा था। तिरुचिरापल्ली पुलिस ने दो मार्च को स्टंट में इस्तेमाल की गई उसकी स्पोर्ट्स बाइक जब्त कर ली।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र, विधानसभा में विपक्ष के नेता आर. अशोक, भाजपा और जे.डी.एस. के विधायकों और एमएलसी के साथ सोमवार को बेंगलूरु के विधान सौध में राज्य कांग्रेस सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करते हुए।

पलक्कड़ में एक व्यक्ति मृत मिला, गोली लगी थी

पलक्कड़/कोयंबटूर/भाषा। केरल के पलक्कड़ जिले में सोमवार सुबह 52 वर्षीय एक व्यक्ति अपने घर के पास मृत पाया गया और उसे गोली लगी हुई थी। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस को संदेह है कि मंगलम डैम थानाक्षेत्र में कृष्णकुमार (52) ने अपने घर के पास 'एयर गन' से गोली मारकर आत्महत्या कर ली।

एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि तमिलनाडु के कोयंबटूर में कृष्णकुमार की पत्नी भी अपने आवास पर मृत पायी गयी। हालांकि, अधिकारी ने इस बारे में कोई जानकारी देने से इनकार कर दिया, क्योंकि महिला का शव तमिलनाडु में पाया गया। कोयंबटूर जिले की सुलूर पुलिस के अनुसार, 42 वर्षीय महिला की पहचान संगीता के रूप में हुई है और वह पट्टनम में किराये के एक मकान में रहती थी। पुलिस ने बताया कि उसे कथित तौर पर बहुत करीब से गोली मारी गई और उसने तुरंत दम तोड़ दिया। पुलिस के मुताबिक उसके शव को पोस्टमार्टम के लिए कोयंबटूर मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले जाया गया और इस मामले की जांच की जा रही है।

राज्यपाल की शक्तियों में 'कटौती' के कदम के खिलाफ भाजपा-जद (एस) ने प्रदर्शन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक में राज्यपाल की शक्तियों में कटौती' के प्रयास का आरोप लगाते हुए विपक्षी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और जनता दल (सेक्युलर) के विधायकों ने सोमवार को प्रदर्शन किया। सोमवार को विधानमंडल सत्र की शुरुआत के साथ ही हाथों में तख्तियां और पोस्टर लेकर विपक्षी नेताओं ने विधानमंडल सदन से 'विधान सौधा' तक मार्च निकाला। विधानमंडल का सत्र 21 मार्च तक जारी रहेगा। सदस्यों ने कर्नाटक में विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति के रूप में राज्यपाल की भूमिका को कम करने के सरकार के कथित कदम का विरोध किया।

भाजपा की कर्नाटक इकाई के अध्यक्ष एवं शिकारपुरा से विधायक विजयेंद्र येडीयुरप्पा, कर्नाटक विधानसभा में विपक्ष के नेता आर. अशोक, विधान परिषद में विपक्ष के नेता चलवाडी नारायणस्वामी और विधायकों एवं विधान परिषद के सदस्यों ने विधानमंडल सदन से विधान सौध तक मार्च निकाला। प्रदर्शनकारियों ने राज्यपाल के अधिकारों को बरकरार रखने के संबंध में उच्च न्यायालय की व्यवस्था के बावजूद उनके अधिकारों में कटौती करने के लिए कांग्रेस की निंदा करते हैं' और राज्यपाल के कुलाधिपति पद में कटौती करने के लिए कांग्रेस सरकार की निंदा करते हैं' के नारे लगाए।

उन्होंने सिद्दरामय्या के नेतृत्व वाली सरकार पर ''घृणित राजनीति में लिप्त होने'' का भी आरोप लगाया। पत्रकारों को संबोधित करते हुए अशोक ने कहा कि संविधान ने राज्यपाल को विशेष अधिकार दिए हैं और उनकी शक्तियों को छीनकर राज्य सरकार लोकतंत्र को कमजोर कर रही है।

उन्होंने आरोप लगाया, ''कांग्रेस ने अधिकतम संशोधन करके बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर के संविधान का अपमान किया है। अब वे नियुक्तियों और उनके काम की निगरानी में विश्वविद्यालय के कुलाधिपति के रूप में राज्यपाल की शक्तियों को छीनना चाहते हैं।'' भाजपा ने ग्रामीण विकास और पंचायत राज (आरडीपीआर) विश्वविद्यालय (संशोधन) विधेयक का विरोध किया है। पार्टी के अनुसार, आरडीपीआर विश्वविद्यालय के कुलपति की नियुक्ति के लिए राज्यपाल की शक्तियों को कम करने का प्रयास है।

पिछले साल दिसंबर में विपक्ष के सदन से बहिर्गमन के बीच कर्नाटक विधानसभा ने इस संशोधन को पारित किया था। लगभग एक पखवाड़े पहले राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने सरकार से अधिक स्पष्टता की मांग करते हुए संशोधन विधेयक लौटा दिया था।

मशहूर यूरोलॉजिस्ट जॉर्ज पी अब्राहम फार्महाउस में मृत मिले

कोच्चि/भाषा। केरल के कोच्चि जिले के नेदुंबस्सेरी में स्थित फॉर्महाउस में राज्य के प्रसिद्ध मूत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. जॉर्ज पी अब्राहम मृत पाए गए हैं। पुलिस ने सोमवार को इसकी जानकारी दी। अब्राहम 75 साल के थे।

वरिष्ठ सर्जन का शव रविवार की रात उनके फार्महाउस में फंदे से लटका मिला। यह फॉर्महाउस नेदुंबस्सेरी पुलिस थाना क्षेत्र में स्थित है। डॉ. अब्राहम जटिल मूत्र रोग संबंधी विकारों के सर्जिकल उपचार में विशेषज्ञ थे और कोच्चि के एक प्रमुख निजी अस्पताल में कार्यरत थे। अस्पताल सूत्रों के अनुसार, उन्होंने 3,600 से अधिक गुर्दा प्रतिरोपण किया है ।

पुलिस सूत्रों ने बताया कि फार्महाउस पर एक नोट मिला है जिससे पता चलता है कि वह अपने खराब स्वास्थ्य के कारण अपने पेशे पर ध्यान केंद्रित करने में असमर्थ थे। अस्पताल सूत्रों ने बताया कि एर्णाकुलम के सामान्य अस्पताल में पोस्टमार्टम के बाद उनके शव को उनके आवास पर ले जाया गया है।

उन्होंने बताया कि पोस्टमार्टम के बाद जब उनका पार्थिव शरीर अस्पताल लाया गया तो अस्पताल कर्मचारियों और उनके मरीजों ने दिवंगत डॉक्टर को अंतिम श्रद्धांजलि दी। उन्होंने बताया कि मंगलवार को उनकी अंत्येष्टि की जायेगी। उन्होंने बताया कि मामले की जांच जारी है।

केरल उच्च न्यायालय ने कन्नूर के पूर्व एडीएम की मौत की सीबीआई जांच संबंधी अपील खारिज की

कोच्चि/भाषा। केरल उच्च न्यायालय ने कन्नूर के पूर्व एडीएम (अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट) नवीन बाबू की मौत के मामले की केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) से जांच कराए जाने का अनुरोध करने वाली याचिका सोमवार को खारिज कर दी।

न्यायालय ने यह आदेश एकल पीठ के उस फैसले को चुनौती देने वाली याचिका की सुनवाई के दौरान दिया जिसमें बाबू की पत्नी द्वारा दायर याचिका को खारिज कर दिया गया था। उस याचिका में बाबू की कथित आत्महत्या के मामले की जांच सीबीआई को सौंपे जाने का अनुरोध किया गया था।

बाबू के परिवार ने संवाददाताओं से कहा कि वे केरल पुलिस के विशेष जांच दल (एसआईटी) द्वारा की जा रही जांच से संतुष्ट नहीं हैं और वे संभवत: उच्चतम न्यायालय में याचिका दायर करेंगे। केरल उच्च न्यायालय ने छह जनवरी को बाबू के परिवार की याचिका खारिज कर दी थी। अदालत ने पुलिस उपमहानिरीक्षक (कन्नूर) को मामले में जारी एसआईटी जांच की निगरानी करने का आदेश दिया था। कन्नूर जिला पंचायत की पूर्व अध्यक्ष पी पी दिव्या द्वारा बाबू के विदाई समारोह में उन पर लगाए गए भ्रष्टाचार के आरोपों के बाद उन्होंने कथित तौर पर आत्महत्या कर ली थी। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) की नेता पिछले वर्ष 14 अक्टूबर को बाबू के विदाई समारोह में कथित रूप से बिना निमंत्रण के शामिल हुई थीं।

इस दौरान उन्होंने चेंगलाई में पेट्रोल पंप की मंजूरी में कई महीनों की देरी को लेकर बाबू की आलोचना की थी और टिप्पणी की थी कि उन्होंने (बाबू ने) अपने तबादले की सूचना मिलने के दो दिन बाद ही इसकी मंजूरी दे दी। माकपा नेता ने संकेत दिया था कि वह अचानक यह मंजूरी देने के कारणों से अवगत थीं। बाद में इस घटना के संबंध में पुलिस ने दिव्या को गिरफ्तार कर लिया था।

बाबू की पत्नी मंजूषा ने उच्च न्यायालय में याचिका दायर कर दावा किया था कि जांच सही दिशा में आगे नहीं बढ़ रही है। उन्होंने आरोप लगाया था कि आरोपी दिव्या का राजनीतिक प्रभाव है, जिससे जांच में बाधा पहुंचने की आशंका है।

शिवकुमार ने मोइली के मुख्यमंत्री संबंधी बयान पर टिप्पणी करने से इनकार किया

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने सोमवार को कांग्रेस के वरिष्ठ नेता वीरप्पा मोइली के उस बयान पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया जिसमें दावा किया गया है कि कुछ दिनों में उनका(शिवकुमार) राज्य का मुख्यमंत्री बनना पक्का है। शिवकुमार ने इसे मोइली की व्यक्तिगत राय करार दिया। उन्होंने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे द्वारा पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं को नेतृत्व परिवर्तन के मुद्दे पर सार्वजनिक रूप से न बोलने के निर्देश का भी हवाला दिया।

मोइली ने रविवार को कहा था कि शिवकुमार को राज्य का मुख्यमंत्री बनने से कोई नहीं रोक सकता, क्योंकि इस मामले में पहले ही तय कर लिया गया है। पूर्व मुख्यमंत्री ने यह भी कहा था कि शिवकुमार का मुख्यमंत्री पद संभालना केवल समय की बात है, क्योंकि ऐसा होना तय है।

मोइली के बयान को लेकर संवाददाताओं के सवाल पर शिवकुमार ने कहा, मैं इस बारे में कुछ नहीं कहूंगा, इसकी कोई जरूरत नहीं है। उन्होंने (मोइली) अपनी राय साझा की है। खरगे (मल्लिकार्जुन खरगे) ने कहा है कि किसी को बोलना नहीं चाहिए, मैं इसका पालन करूंगा। राज्य के सियासी हलकों खासकर कांग्रेस पार्टी के भीतर यह अटकलें लगाई जा रही हैं कि इस साल के अंत तक सत्ता साझा करने के 'फॉर्मूले' या 'क्रमिक मुख्यमंत्री' प्रणाली के तहत राज्य के मुख्यमंत्री बदल सकते हैं।

कांग्रेस की कर्नाटक इकाई के प्रदेश अध्यक्ष शिवकुमार मुख्यमंत्री पद के प्रबल दावेदार हैं और उन्होंने मुख्यमंत्री बनने की अपनी महत्वाकांक्षा को किसी से छिपाया नहीं है। कांग्रेस विधायक बसवराजू वी शिवगंगा ने भी रविवार को कहा कि शिवकुमार दिसंबर तक मुख्यमंत्री बन जाएंगे। उन्होंने दावा किया कि शिवकुमार दिसंबर से अगले साढ़े सात साल तक मुख्यमंत्री रहेंगे, क्योंकि पार्टी अगला विधानसभा चुनाव भी जीतेगी।

दूसरी ओर सिद्दरामय्या के करीबी माने जाने वाले कई मंत्रियों और नेताओं ने किसी भी नेतृत्व परिवर्तन की संभावना को खारिज करते हुए दावा किया है कि मौजूदा मुख्यमंत्री पद पर बने रहेंगे और पूरे पांच साल का कार्यकाल पूरा करेंगे।

भारत ने संसाधनों के अनुकूलतम उपयोग की अर्थव्यवस्था के लिए वैश्विक मंच की वकालत की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। भारत ने संसाधनों के अनुकूलतम उपयोग (सर्कुलर) वाली अर्थव्यवस्था को अपनाने के काम में तेजी लाने के लिए वैश्विक मंच की वकालत करते हुए सोमवार को कहा कि एक नया वैश्विक मंच (प्लेटफार्म) होना चाहिए जो शहरों, शिक्षाविदों और तकनीकी नवोन्मेषकों को जोड़कर ऐसी अर्थव्यवस्था को बढ़ावा दे। केंद्रीय आवास और शहरी मामलों के मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने कहा कि 'सिटीज कॉलेशन फोर सर्कुलेरिटी' (सी3) मंच उस जयपुर घोषणा की भावना के अनुरूप हो सकता है जिसे सोमवार को शुरू हुए एशिया और प्रशांत क्षेत्र में 12वें क्षेत्रीय थ्री आर और सर्कुलर इकनॉमी फोरम के समापन दिवस पर अपनाया जाएगा। खट्टर ने इस कार्यक्रम का उद्घाटन किया। इसमें राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा भी मौजूद थे।

खट्टर ने कार्यक्रम में कहा, आज इस मंच से भारत एक वैश्विक गठजोड़ का प्रस्ताव करता है जो शहर, अकादमिक और प्रौद्योगिकी नवोन्मेषकों को जोड़ कर सर्कुलर अर्थव्यवस्था को गति देगा।' उन्होंने कहा,मैं सभी को इस पहल पर चर्चा और सहयोग के लिए आमंत्रित करता हूं जिससे भागीदारी मजबूत होगी और प्रभावी समाधान सामने आएंगे।

उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण को आगे बढ़ाने के लिए मैं एक नये मंच का प्रस्ताव रखता हूं और वह है सिटीज कोलिशन फोर सर्क्युलरिटी (सी3) . अभी हम थ्री आर (रेडयुज, रियूज, रिसाइकल) पर काम कर रहे हैं अब हम सी3 पर काम करेंगे जो ज्ञान, तकनीकी विशेषज्ञता और सर्वोत्तम व्यवहार को साझा करने के लिए एक बहु-हितधारक, बहु-राष्ट्रीय गठबंधन है। यह 'जयपुर डिक्लेरेशन' की भावना के अनुरूप होगा।' खट्टर ने प्रतिभागियों से शहरों और अन्य हितधारकों को लाभ पहुंचाने के लिए प्रस्तावित मंच को बेहतर बनाने के तरीके पर चर्चा करने का आग्रह किया।

खट्टर ने कहा, 'भारत सी3 को एक प्रमुख डिजिटल मंच के रूप में प्रस्तुत करेगा जो शहरों के बीच सहयोग, तकनीकी संस्थानों, साझेदारी और ऐसी पहल को बढ़ावा देगा। यह प्रस्तावित किया जाता है कि इच्छुक स्वैच्छिक सदस्य राष्ट्रों का एक कार्यसमूह गठित किया जाए जो गठबंधन के ढांचे व कामकाजी सिद्धांतों को अंतिम रूप देगा। उन्होंने कहा कि उद्योग, अकादमिक क्षेत्र और नीति निर्माताओं के समर्थन से यह मंच एशिया-प्रशांत क्षेत्र में संसाधन दक्षता और कम कार्बन अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए उत्प्रेरक के रूप में उभरेगा। खट्टर ने यह भी कहा कि 3आर सर्कुलर अर्थव्यवस्था न केवल पर्यावरणीय जिम्मेदारी के लिए बल्कि सतत विकास के लिए भी आवश्यकता बन गई है।

मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि जलवायु परिवर्तन, जैव विविधता की हानि एवं प्रदूषण जैसी चुनौतियों से निपटने के लिए संसाधनों के अनुकूलतम उपयोग वाली अर्थव्यवस्था अत्यंत प्रभावी माध्यम है। इस व्यवस्था में अपशिष्ट का पुनर्चक्रण और पुन: इस्तेमाल किया जाता है जिससे ऊर्जा की खपत घटती है और नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा मिलता है। उन्होंने कहा कि राजस्थान सरकार भी इस दिशा में कई महत्वपूर्ण कदम उठाकर मिशन में अग्रणी भूमिका निभा रही है।

उन्होंने कहा कि राज्य में पर्यावरण प्रबंधन केंद्र की स्थापना की गई है, ताकि कचरा प्रबंधन और पुनर्चक्रमण को ज्यादा प्रभावी तरीके से किया जा सके। मुख्यमंत्री सद्भावना केंद्रों के जरिये नागरिकों को अनुपयोगी वस्तुओं के दान और पुनरुपयोग की सुविधा दी जा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने राजस्थान में कचरा प्रसंस्करण की क्षमता को 21 लाख टन से बढ़ाकर इसके दोगुने से भी ज्यादा यानी करीब 45 लाख टन करने का लक्ष्य रखा है। इस तीन दिवसीय फोरम में नीति निर्माता, उद्योग जगत के दिग्गज और एशिया-प्रशांत देशों के अंतरराष्ट्रीय संगठनों के प्रतिनिधि सहित 1,000 से अधिक प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं।

पुलिस के छापे के दौरान शिशु की मौत, परिवार ने पुलिसकर्मियों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के अलवर जिले में पुलिस छापेमारी के दौरान कथित तौर पर एक महीने के शिशु की मौत हो गई। एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि परिवार ने घटना के संबंध में दो पुलिसकर्मियों के खिलाफ मामला दर्ज कराया है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक तेजपाल सिंह ने बताया कि पुलिस साइबर धोखाधड़ी के एक मामले में आरोपी को पकड़ने के लिए शनिवार को नौगांवा थाना क्षेत्र में एक घर में गई थी। उन्होंने बताया कि परिवार के सदस्यों ने आरोप लगाया कि पुलिसकर्मियों ने अपनी मां के बगल में खाट पर सो रही बच्ची अलिस्बा को कुचल दिया और शिशु की मौके पर ही मौत हो गई।

उन्होंने बताया कि परिवार का आरोप है कि जब बच्ची की मां ने आपत्ति जताई तो पुलिस ने कथित तौर पर उसे घर से बाहर धकेल दिया। परिवार ने यह भी दावा किया कि छापेमारी के दौरान कोई महिला पुलिसकर्मी मौजूद नहीं थी। नाराज ग्रामीणों ने पुलिस की कथित लापरवाही को लेकर रविवार को अलवर पुलिस अधीक्षक के आवास के बाहर प्रदर्शन किया और आरोपी पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। पुलिस अधिकारी ने कहा कि मामले की जांच की जा रही है।

विधायक गर्ग के खिलाफ विशेषाधिकार हनन का प्रस्ताव पेश, समिति को भेजा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान विधानसभा में सोमवार को राष्ट्रीय लोकदल (आरएलडी) के विधायक सुभाष गर्ग के खिलाफ विशेषाधिकार हनन का प्रस्ताव पेश किया गया। विधानसभा अध्यक्ष ने इस प्रस्ताव को विशेषाधिकार समिति के पास भेजने की घोषणा की। मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस के विधायकों ने इस प्रस्ताव का विरोध करते हुए हंगामा किया और सदन से बहिर्गमन किया। शून्यकाल में सरकारी मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग ने भरतपुर से विधायक सुभाष गर्ग के खिलाफ विशेषाधिकार हनन का प्रस्ताव पेश किया।

उन्होंने कहा,' विधायक गर्ग ने 24 फरवरी को विधानसभा में शून्यकाल के दौरान भरतपुर के लोहागढ़ में रहने वालों को नोटिस देने के मामले को उठाया। उन्होंने कहा,' विधायक द्वारा उठाए गए मामले में उनके द्वारा तथ्यों को तोड़ मरोड़ प्रस्तुत किया गया है जो कि निराधार व असत्य है।' कांग्रेस विधायकों ने सुभाष गर्ग के खिलाफ विशेषाधिकार हनन प्रस्ताव लाए जाने का कड़ा विरोध करते हुए सदन में जमकर हंगामा किया।

नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा,' ये बात तो एक तरह से लोकतंत्र को दबाने की हो जाएगी। हम लोग फिर कोई बात ही नहीं रख पाएंगे। आप विशेषाधिकार हनन का प्रस्ताव ले आएंगे। अगली बार आप हमारे खिलाफ मुकदमा दर्ज करवाने लगेंगे... हम तो फिर बोलना बंद कर दें।'

विधायक गर्ग ने कहा, 'इसमें बहुत बड़े-बड़े लोग शामिल हैं जो आप (सरकार) ये आरोप लगा रहे हैं। उल्टा कलई खुल जाएगी सबकी। आप जो भी (कार्रवाई) करें मुझे कोई दिक्कत नहीं।' सदन में हंगामे के बीच विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने इस प्रस्ताव को विशेषाधिकार समिति को भेजे जाने का प्रस्ताव पारित होने की घोषणा की। कांग्रेस ने इस पर हंगामा करते हुए सदन से बहिर्गमन किया।

राजस्थान सरकार सर्कुलर इकॉनामी इंसेंटिव स्कीम लेकर आएगी : मुख्यमंत्री भजनलाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने जलवायु परिवर्तन, जैव विविधता की हानि एवं प्रदूषण जैसी चुनौतियों से निपटने के लिए सर्कुलर इकॉनामी को अत्यंत प्रभावी माध्यम बताते हुए कहा है कि राज्य सरकार भी इस दिशा में कई महत्वपूर्ण कदम उठाकर मिशन में अग्रणी भूमिका निभा रही है और वह प्रदेश में सर्कुलर इकॉनामी इंसेंटिव स्कीम लेकर आएगी।

शर्मा सोमवार को राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर (आरआईसी) में आयोजित 12वें क्षेत्रीय थ्री आर और सर्कुलर इकॉनामी फोरम समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राज्य में पर्यावरण प्रबंधन केंद्र की स्थापना की गई है ताकि कचरा प्रबंधन और रिसाइक्लिंग को ज्यादा प्रभावी तरीके से किया जा सके। उन्होंने कहा कि ट्रीटेड वॉटर के उपयोग के लिए नई नीति तैयार की जा रही है। मुख्यमंत्री सद्भावना केंद्रों के जरिए नागरिकों को अनुपयोगी वस्तुओं के दान और पुनरुपयोग की सुविधा दी जा रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान में कचरा प्रसंस्करण की क्षमता को 21 लाख मीट्रिक टन से बढ़ाकर इसके दोगुने से भी ज्यादा यानी करीब 45 लाख मीट्रिक टन करने का लक्ष्य रखा है। वेस्ट-टू-एनर्जी योजनाओं के तहत कंपोस्ट, आरडीएफ, और जैविक उर्वरक उत्पादन पर भी जोर दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि शहरी क्षेत्रों में एमआरएफ प्लांट्स के जरिए प्लास्टिक और

रिसाइकल योग्य सामग्री को अलग कर ई-वेस्ट, बैटरी वेस्ट और खतरनाक कचरे का निस्तारण किया जा रहा है। शर्मा ने कहा कि पिछले 50 वर्षों में प्राकृतिक संसाधनों का दोहन लगभग 400 प्रतिशत बढ़कर 106 बिलियन टन के आंकड़े को भी पार कर चुका है। चिंता की बात यह है कि इनमें से 90 प्रतिशत से अधिक संसाधन बर्बाद हो जाते हैं और केवल 8.6 प्रतिशत ही वैश्विक अर्थव्यवस्था में वापस आ पाते हैं। यह स्थिति धरती को संकट में डाल रही है और जलवायु परिवर्तन, जैव विविधता की हानि एवं प्रदूषण जैसी समस्याएं गहराती जा रही हैं।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार ने इन समस्याओं के समाधान के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। स्वच्छ भारत मिशन के तहत भारत ने दुनिया का सबसे बड़ा अपशिष्ट प्रबंधन और स्वच्छता अभियान चलाया है। इसके साथ ही, नगरपालिका ठोस अपशिष्ट, इलेक्ट्रॉनिक कचरा, सौर पैनल और कृषि अपशिष्ट जैसे 11 प्रमुख क्षेत्रों पर केंद्रित सर्कुलर इकॉनमी रोडमैप तैयार किया गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान ने ग्रीन टेक्नोलॉजी और सतत विकास में भी पहल की है। राजस्थान पहला राज्य है जिसने ग्रीन बजट पेश किया है और इसमें 27 हजार 854 करोड़ रुपये ग्रीन परियोजनाओं के लिए निर्धारित किए गए हैं। उन्होंने कहा कि 250 करोड़ रुपये के निवेश के साथ सर्कुलर इकॉनामी पार्क और स्वच्छ एवं हरित तकनीक विकास केंद्र स्थापित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार सर्कुलर इकॉनामी इंसेंटिव स्कीम लेकर आएगी, जो एमएसएमई और स्टार्टअप्स को दो करोड़ रुपये तक की सहायता देगी। इसके साथ ही राजस्थान व्हीकल स्क्रैपिंग पॉलिसी के माध्यम से पुराने वाहनों के निष्पादन को बढ़ावा दिया जाएगा। शर्मा ने कहा कि हम शून्य अपशिष्ट समाज का सपना साकार करने के लिए सर्कुलर इकॉनमी एलायंस नेटवर्क की स्थापना के जरिए सरकार, निजी क्षेत्र और शिक्षण संस्थानों के बीच सहयोग को बढ़ावा देंगे। इससे पहले मुख्यमंत्री ने केन्द्रीय शहरी विकास कार्य मंत्रालय द्वारा आयोजित प्रदर्शनी का अवलोकन किया। इस अवसर पर नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन राज्य मंत्री झाबर सिंह खर्रा, मध्यप्रदेश, उत्तराखण्ड, आंध्रप्रदेश और हरियाणा के शहरी विकास मंत्री, विभिन्न राज्यों के शहरी विकास विभागों के अधिकारी, नगरीय आयुक्त एवं महापौर मौजूद थे।

बिजयनगर रेप-ब्लैकमेल कांड : आरोपी पूर्व पार्षद पर वकीलों ने किया हमला, कोर्ट ने 11 तक भेजा जेल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अजमेर। ब्यावर के बिजयनगर में नाबालिग लड़कियों के साथ रेप और ब्लैकमेलिंग के मामले में गिरफ्तार पूर्व पार्षद हाकिम कुरैशी पर अजमेर पॉक्सो कोर्ट में पेशी के दौरान वकीलों ने हमला कर दिया। कोर्ट ने आरोपी को 11 मार्च तक न्यायिक हिरासत में भेजने का आदेश दिया है।

इस मामले में पुलिस अब तक 13 आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है, जिनमें 9 आरोपी जेल में हैं और 3 नाबालिग बाल सुधार गृह में हैं। पुलिस ने पूर्व पार्षद हाकिम कुरैशी को गिरफ्तार कर रिमांड पर लिया था, जिसकी अवधि पूरी होने पर उसे आज अजमेर पॉक्सो कोर्ट में पेश किया गया। पेशी के दौरान वकीलों ने आरोपी पर हमला कर दिया, हालांकि पुलिस ने स्थिति को संभालते हुए उसे सुरक्षित बाहर निकाला।

सरकारी वकील रूपेंद्र परिहार ने बताया कि जांच में सामने आया है कि पूर्व पार्षद हाकिम कुरैशी अन्य आरोपियों का सहयोगी था। वह बच्चियों का रास्ता रोकने और उन्हें होटल एवं कैफे में जाने के लिए मजबूर करने में शामिल था। पुलिस ने उसकी संपत्ति और बैंक अकाउंट से संबंधित जानकारी भी कोर्ट में पेश की, जिसके बाद कोर्ट ने उसे न्यायिक हिरासत में भेजने का आदेश दिया। बिजयनगर थाना पुलिस ने इस मामले में अब तक 13 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों में सोहेल, रेहान, श्रवण जाट, करीम, आशिक, लुकमान, अफराज, पूर्व पार्षद हाकिम कुरैशी, जावेद और कैफे संचालक सांवरमल शामिल हैं।

'न हटा रहे न काम ले रहे, किरोड़ी लाल मंत्री है या नहीं'? सचिन पायलट ने भाजपा से किया सवाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अजमेर। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव और पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट ने कहा कि राजस्थान में अफसर शाही हावी है और राजस्थान में लॉ एंड ऑर्डर की स्थिति बेहद खराब है। कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव पायलट सोमवार अजमेर आगमन के दौरान अशोक उद्यान पर पत्रकारों से औपचारिक बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राजस्थान की भारतीय जनता पार्टी की सरकार की कथनी और करनी में फर्क है।

सत्ता में रहकर कांग्रेस को कोसना एवं कांग्रेसी नेताओं को भला बुरा कहना शोभा नहीं देता है। उन्होंने कहा कि राजस्थान की भाजपा सरकार ने सवा साल से केवल घोषणाएं कर रही है। उनका क्रियान्वन नहीं हो रहा है। नौकरियां, निवेश महंगाई और लॉ एन्ड ऑर्डर पर सरकार पूरी तरह फेल है।

राष्ट्रीय महासचिव पायलट ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की राजस्थान में पर्ची की सरकार ने कांग्रेस की कल्याणकारी योजनाओं को बंद कर दिया है और सत्ता के बहुत सारे केंद्र बन गए हैं। पायलट ने तंज करते हुए कहा कि डॉ. करोड़ी मीणा मंत्री है या नहीं। न उन्हें हटाया जा रहा है न उनसे काम लिया जा रहा है और सरकार में खिंचाव बढ़ता जा रहा है, जिसका खामियाजा आम जनता भुगत रही है। सरकार में कौन मंत्री हैं कौन नहीं कौन मंत्री किस विभाग का काम कर रहा है यह स्पष्ट नहीं है।

राष्ट्रीय महासचिव सचिन पायलट के पाली जाते समय अशोक उद्यान पर अजमेर शहर जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा माला और साफा पहनकर भव्य स्वागत किया गया। पायलट के स्वागत के लिए कांग्रेसी नेताओं और कार्यकर्ताओं का सैलाब उमड पड़ा। इस अवसर पर अजमेर शहर जिला कांग्रेस कमेटी के निवर्तमान अध्यक्ष विजय जैन, प्रदेश उपाध्यक्ष नसीम अख्तर इंसाफ, प्रदेश महासचिव राकेश पारीक, महेंद्र सिंह रलावता, पूर्व विधायक नाथूराम सिनोदिया, हेमंत भाटी, संग्राम सिंह गुर्जर, हाजी इंसाफ अली, शिवकुमार बंसल सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पशुपालन मंत्री कुमावत ने विश्व वन्यजीव दिवस के अवसर पर पशुधन भवन में पक्षियों के लिए चुग्गे और पानी के परिंडे बांधकर अभियान की शुरूआत की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। पशुपालन, डेयरी एवं गोपालन मंत्री जोराराम कुमावत ने विश्व वन्यजीव दिवस के अवसर पर टोंक रोड स्थित पशुधन भवन में पक्षियों के लिए चुग्गे और पानी के परिंडे बांधकर अभियान की शुरूआत की। शासन सचिव डॉ. समित शर्मा ने भी पक्षियों के लिए परिंडे बांधे। इस अवसर पर मंत्री कुमावत ने कहा कि हमारी सनातन संस्कृति वसुधैव कुटुम्बकम के भाव को लेकर चलती है जहां हर प्राणी मात्र का महत्व है, जहां गौमाता के साथ साथ पीपल ओर वटवृक्ष भी पूजे जाते हैं। हम प्राणी मात्र के प्रति दया और करुणा का भाव रखते हैं जिसमें मूक पशु पक्षी भी शामिल हैं। इसीलिए हम पशु और पक्षियों के संरक्षण और संवर्द्धन के लिए काम करते हैं। उन्होंने कहा कि अभी गर्मी का मौसम शुरु हो रहा है। ऐसे में प्रदेश में कई स्थानों पर पशु पक्षियों के लिए पीने के पानी की समस्या हो

जाती है। इसके लिए सरकार गौशालाओं में चारे पानी की व्यवस्था के लिए विशेष प्रयास करती है। आज विश्व वन्य जीव दिवस है आज के दिन पशुपालन विभाग प्रदेश भर में पक्षियों के लिए परिंडे बांधने की शुरूआत कर रहा है जिससे गर्मी के मौसम में पक्षियों को पानी की समस्या नहीं होगी और पशु और पक्षियों को स्वच्छ और पीने योग्य पानी मिल सकेगा। उन्होंने कहा कि राजस्थान में कई स्वयंसेवी संस्थाएं भी पशु पक्षियों के कल्याण के लिए काम करती हैं।

कुमावत ने राज्य सरकार के दोनों बजट में गौशालाओं के लिए चारे पानी के अनुदान में क्रमशः 10 प्रतिशत और 15 प्रतिशत वृद्धि करने पर मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया और उन्हें धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि सरकार के इस कदम से गौशालाओं में गायों के चारे पानी की उपलब्धता सुनिश्चित करने में और भी सहायता मिलेगी। इस अवसर पर विभाग के शासन सचिव डॉ. समित शर्मा ने कहा कि आज विश्व वन्यजीव दिवस है। इस अवसर पर विभाग ने एक महत्वपूर्ण निर्णय लेकर विभाग की 10 हजार 500 संस्थाओं यहां पशुपालक अपने पशुओं को उपचार के लिए लेकर आते हैं, गोपालन विभाग के कार्यालय और प्रदेश की सभी गौशालाओं में उचित स्थान पर परिंडे बांधने और पानी के कुंड स्थापित करने का अभियान आज प्रारंभ किया है। उन्होंने कहा कि आमजन तथा राजकीय विभागों का यह दायित्व है कि पशुओं एवं पक्षियों के लिए पानी की व्यवस्था हेतु आम नागरिक, स्वयंसेवी संस्थाओं, पशु- पक्षी प्रेमियों तथा अन्य स्टेक होल्डर्स को इसके लिए प्रेरित किया जाए। उन्होंने विभाग के अधिकारियों और कार्मिकों से भी चुग्गे की व्यवस्था के लिए अपना अपना योगदान देने का आग्रह किया। मंत्री कुमावत ने इस अवसर पर स्वर्गीय डॉ शशांक मनोहर की स्मृति में 8 मार्च को आयोजित होने वाली 10वीं वेटरिनेरियन क्रिकेट लीग के पोस्टर का भी लोकार्पण किया। पशुपालन निदेशक और आरएलडीबी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ आनंद सेजरा, गोपालन निदेशक प्रह्लाद सहाय नागा तथा मत्स्य विभाग की निदेशक श्रीमती संचिता विश्नोई ने भी पक्षियों के लिए परिंडे बांधे। इस अवसर पर बड़ी संख्या में पशुपालन, गोपालन और मत्स्य विभाग के अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित थे।

झारखंड में एनआरसी लागू करने का समय आ गया है: भाजपा सांसद निशिकांत दुबे

नई दिल्ली/भाषा। झारखंड में कथित जनसांख्यिकीय बदलाव का मुद्दा उठाते हुए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद निशिकांत दुबे ने सोमवार को कहा कि समय आ गया है कि केंद्र सरकार राज्य में राष्ट्रीय नागरिक पंजी (एनआरसी) लागू करने पर विचार करे और अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों को 'हथकड़ी' लगाकर बाहर निकाले। गोड्डा से सांसद ने दावा किया कि 2011 की जनगणना के अनुसार झारखंड में आदिवासियों की आबादी 45 प्रतिशत से घटकर 28 प्रतिशत पर आ गई है और साथ ही आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) और कांग्रेस राजनीतिक लाभ के लिए राज्य का 'इस्लामीकरण' कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि वे वोट के लिए केवल भ्रष्टाचार और तुष्टिकरण की राजनीति में लगे हुए हैं।

डेयरी क्षेत्र में बायोगैस उत्पादन, अन्य संभावनाओं पर भी ध्यान देने की जरूरत: अमित शाह

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह ने भारत के दूसरी श्वेत क्रांति की दिशा में प्रयासरत होने का जिक्र करते हुए सोमवार को कहा कि राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड के गोबर बायोगैस उत्पादन के तीन मॉडलों को अगले दो वर्षों में कम-से-कम 250 जिला डेयरी सहकारी समितियों तक बढ़ाए जाने की जरूरत है। डेयरी क्षेत्र पर आयोजित एक कार्यशाला को संबोधित करते हुए शाह ने कहा, ''कृषि के अलावा अतिरिक्त आय अर्जित करने के लिए डेयरी क्षेत्र किसानों के लिए महत्वपूर्ण है। दूसरी श्वेत क्रांति की शुरुआत में टिकाऊपन और संसाधनों के अधिकतम उपयोग (सर्कुलैरिटी) पर ध्यान देना महत्वपूर्ण है।'' सहकारिता मंत्री ने कहा कि डेयरी क्षेत्र में 'सर्कुलैरिटी' को गोबर बायोगैस उत्पादन तक सीमित नहीं रखा जाना चाहिए, बल्कि पूरे डेयरी क्षेत्र की अर्थव्यवस्था के हर पहलू का उपयोग करना चाहिए। शाह ने कहा, ''खेती से पलायन को कम करने और किसानों को बेहतर लाभ सुनिश्चित करने के लिए डेयरी क्षेत्र से बेहतर कोई विकल्प नहीं है।''

कांग्रेस 'डूबती पार्टी', महिलाओं के खिलाफ अत्याचार पर श्वेतपत्र लाएगी भाजपा सरकार : माझी

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने विपक्षी कांग्रेस को एक ''डूबती पार्टी'' बताते हुए सोमवार को कहा कि उनकी सरकार राज्य में महिलाओं के खिलाफ अत्याचारों में कथित वृद्धि पर जल्द ही एक श्वेतपत्र लाएगी। माझी ने यह टिप्पणी एक मार्च को कांग्रेस समर्थकों द्वारा किए गए आंदोलन के जवाब में की, जिसका नेतृत्व ओडिशा प्रदेश कांग्रेस के नवनिर्वाचित अध्यक्ष भक्त चरण दास ने किया था। विपक्षी पार्टी ने आरोप लगाया था कि आठ महीने पहले भाजपा के सत्ता में आने के बाद से ओडिशा में महिलाओं के खिलाफ अपराध बढ़ गए हैं। माझी ने मुख्यमंत्री के शिकायत सुनवाई सत्र से इतर कहा, ''कांग्रेस को सरकार पर निशाना साधने दीजिए। कांग्रेस एक डूबती हुई पार्टी है और वह सुर्खियों में आने के लिए ऐसा (आंदोलन) कर रही है। वह निराधार आरोप लगा रही है। राज्य सरकार जल्द इस मुद्दे (महिला अत्याचार) पर श्वेतपत्र लाएगी।''

मांडविया ने रोहित पर टिप्पणी की आलोचना की, बेहद शर्मनाक और पूरी तरह से निराशाजनक

नई दिल्ली/भाषा। खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने भारतीय कप्तान रोहित शर्मा की कप्तानी और फिटनेस के स्तर पर सवाल उठाने के लिए कांग्रेस प्रवक्ता शमा मोहम्मद पर निशाना साधाते हुए इसे 'बेहद शर्मनाक' और 'पूरी तरह से दयनीय' करार दिया। शमा ने रविवार को न्यूजीलैंड के खिलाफ भारत के चैंपियंस ट्रॉफी मैच के दौरान रोहित के 17 गेंदों पर 15 रन बनाकर आउट होने के बाद रोहित की फिटनेस पर कप्तानी पर सवाल उठाया था। मांडविया ने एक्स पर लिखा, '' कांग्रेस और टीएमसी को खिलाड़ियों को अकेला छोड़ देना चाहिए क्योंकि वे अपने पेशेवर जिंदगी को संभालने में पूरी तरह सक्षम हैं।''

महाकुंभ में भगदड़ के बाद हमने अफरा-तफरी रोकने के लिए त्वरित कार्रवाई की : योगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को कहा कि उनकी सरकार ने प्रयागराज में महाकुंभ में 29 जनवरी को हुई भगदड़ के बाद स्थिति को नियंत्रित करने के लिए त्वरित कार्रवाई की, जिससे पीड़ितों को चिकित्सा सहायता सुनिश्चित हुई और व्यापक स्तर पर अफरा-तफरी फैलने से रोका गया।

राजधानी लखनऊ में भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) के अधिकारियों और भारतीय डाक सेवा के अधिकारियों की एक बैठक को संबोधित करते हुए आदित्यनाथ ने कहा, हमने इस घटना को अत्यधिक उजागर नहीं होने दिया, क्योंकि उस समय प्रयागराज और कुंभ मेला क्षेत्र में आठ करोड़ श्रद्धालु और संत मौजूद थे, तथा अफरा-तफरी से स्थिति और खराब हो सकती थी। महाकुंभ के प्रमुख स्नान दिवस मौनी अमावस्या पर संगम घाट पर हुई भगदड़ में कम से कम 30 श्रद्धालुओं की मौत हो गई और 60 अन्य घायल हो गए थे। आदित्यनाथ ने कहा कि लाखों श्रद्धालुओं के अलावा, 13 अखाड़ों के संतों को भी उस सुबह अमृत स्नान करना था। उन्होंने बताया कि ऐसे आयोजनों में अक्सर दो बड़ी चुनौतियां सामने आती हैं- संतों के बीच स्नान का क्रम तय करना, जिससे ऐतिहासिक रूप से विवाद होते रहे हैं, और यह सुनिश्चित करना कि अनुष्ठान सुबह चार बजे निर्धारित समय पर सुचारू रूप से हो। भगदड़ की इस घटना के बावजूद, सभी अखाड़े स्नान के लिए तैयार थे, लेकिन प्रशासन ने कार्यक्रम को स्थगित करने के लिए हस्तक्षेप किया। आदित्यनाथ ने कहा, मैंने व्यक्तिगत रूप से उनसे स्थिति को संभालने के लिए अनुष्ठान को स्थगित करने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि अधिकारियों ने भीड़ पर कड़ी निगरानी रखी, दोपहर तक संगम क्षेत्र को खाली करा लिया गया और यह सुनिश्चित किया गया कि स्नान अपराह्न 2:30 बजे तक फिर से शुरू हो जाए। मुख्यमंत्री ने प्रभावी संकट प्रबंधन के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा, कठिन परिस्थितियों में कई लोग घबरा जाते हैं और हार मान लेते हैं, लेकिन हमें धैर्य और नियंत्रण के साथ दृढ़ निर्णय लेने की शक्ति विकसित करनी चाहिए।

मुख्यमंत्री ने महाकुंभ के आयोजन के दौरान भक्तों, संतों और प्रशासनिक अधिकारियों सहित तमाम हितधारकों के बीच समन्वय पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा, मैंने व्यक्तिगत रूप से व्यवस्था बनाए रखने और कार्यक्रम के सुचारू निष्पादन को सुनिश्चित करने के लिए बातचीत शुरू की।

एपीएससी घोटाले के आरोपी से उपहार प्राप्त करने पर कांग्रेस सांसद की चुप्पी भ्रष्टाचार का संकेत : हिमंत

गुवाहाटी/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने सोमवार को दावा किया कि राज्य प्रशासनिक सेवा भर्ती में ''नकदी के बदले नौकरी'' घोटाले के मुख्य आरोपी से ''शादी के समय उपहार प्राप्त करने'' पर कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई की चुप्पी इस मामले में ''प्रथम दृष्टया भ्रष्टाचार का संकेत'' देती है।

असम विधानसभा में एक सदस्यीय न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) बी.के. शर्मा आयोग की रिपोर्ट पर चर्चा के दौरान शर्मा ने यह भी कहा कि राज्य सरकार घोटाले के कथित लाभार्थियों में से कुछ अधिकारियों के निलंबन पर गुवाहाटी उच्च न्यायालय द्वारा लगाई गई रोक को हटवाने के लिए उच्चतम न्यायालय का रुख करेगी। शर्मा ने सदन को बताया, ''रिपोर्ट में कहा गया है कि राकेश कुमार पॉल (मुख्य आरोपी) ने पूर्व मुख्यमंत्री तरुण गोगोई के बेटे को उसकी शादी में उपहार के तौर पर आभूषण दिए थे। प्रथम दृष्टया यह भ्रष्टाचार का मामला है जब तक कि इससे इंकार न किया जाए।''

बसपा सुप्रीमो मायावती ने अपने भतीजे आकाश आनंद को पार्टी से निष्कासित किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) प्रमुख मायावती ने अपने भतीजे आकाश आनंद को सोमवार को पार्टी से भी निष्कासित कर दिया। इससे पहले, मायावती ने रविवार को आकाश आनंद को पार्टी के नेशनल कोऑर्डिनेटर और अपने उत्तराधिकारी समेत सभी पदों से हटा दिया था।

मायावती ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर सिलसिलेवार पोस्ट में कहा,'' बसपा की अखिल भारतीय स्तर की बैठक में कल श्री आकाश आनंद को पार्टी हित से अधिक पार्टी से निष्कासित अपने ससुर श्री अशोक सिद्धार्थ के प्रभाव में लगातार बने रहने के कारण नेशनल कोआर्डिनेटर सहित सभी जिम्मेदारियों से मुक्त कर दिया गया था, जिसका उसे पश्चताप करके अपनी परिपक्वता दिखानी थी।'' उन्होंने एक अन्य पोस्ट में कहा, ''लेकिन, इसके विपरीत श्री आकाश ने जो अपनी लम्बी-चौड़ी प्रतिक्रिया दी है। वह उसके पछतावे व राजनीतिक परिपक्वता का नहीं बल्कि उसके ससुर के ही प्रभाव वाला ज्यादातर स्वार्थी, अहंकारी व गैर-जिम्मेदाराना बयान है, जिससे बचने की सलाह मैं पार्टी के ऐसे सभी लोगों को देने के साथ उन्हें दण्डित भी करती रही हूं।''

बसपा प्रमुख ने कहा,''अतः परमपूज्य बाबा साहेब डा. भीमराव आंबेडकर के आत्म-सम्मान व स्वाभिमान आंदोलन के हित में तथा मान्यवर श्री कांशीराम जी की अनुशासन की परम्परा को निभाते हुए श्री आकाश आनंद को, उनके ससुर की तरह, पार्टी व आंदोलन के हित में पार्टी से निष्कासित किया जाता है।''

इससे पहले सोमवार सुबह आकाश आनंद ने एक बयान में कहा, ''मैं बहन कुमारी मायावती जी का कैडर हूं।''

इस मामले में आकाश आनंद ने सोमवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक लंबा पोस्ट लिखकर अपना पक्ष रखा था।

बंगाल: वामपंथी और टीएमसीपी कार्यकर्ताओं के बीच झड़प

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। शिक्षा मंत्री ब्रत्य बसु के इस्तीफे की मांग को लेकर मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) की छात्र शाखा स्टूडेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसएफआई) की सोमवार को विश्वविद्यालय परिसरों में हड़ताल के आह्वान के दौरान विभिन्न वामपंथी छात्र संगठनों और तृणमूल कांग्रेस छात्र परिषद (टीएमसीपी) के समर्थकों के बीच कई स्थानों पर झड़पें हुईं।

पश्चिम मेदिनीपुर जिले के मेदिनीपुर शहर, दार्जिलिंग जिले के सिलीगुड़ी, कूचबिहार जिले और पूर्व मेदिनीपुर जिले के पंसकुरा में टीएमसी की छात्र शाखा के सदस्यों और ऑल इंडिया डेमोक्रेटिक स्टूडेंट्स ऑर्गनाइजेशन (एआईडीएसओ) और एसएफआई के कार्यकर्ताओं के बीच झड़पें हुईं। पश्चिम मेदिनीपुर जिले के विद्यासागर विश्वविद्यालय और मेदिनीपुर कॉलेज, पूर्व मेदिनीपुर के पंसकुरा बनमाली कॉलेज और सिलीगुड़ी के उत्तर बंगाल विश्वविद्यालय में टीएमसीपी और वामपंथी छात्र संगठनों के सदस्यों के बीच मारपीट हुई। यह तब हुई जब टीएमसीपी के कार्यकर्ताओं ने वामपंथी छात्रों को हड़ताल लागू कराने और कक्षाएं स्थगित कराने से रोकने की कोशिश की। हड़ताल के कारण कई जिलों में सरकारी उच्च शिक्षण संस्थानों में कक्षाएं बाधित रहीं।

कोलकाता में यादवपुर और प्रेसीडेंसी विश्वविद्यालयों के परिसर सुनसान रहे, क्योंकि आम छात्र, संकाय सदस्य और अन्य कर्मचारी यहां नहीं पहुंचे जबकि एसएफआई के सदस्य सुबह 10 बजे से शुरू हुई एक दिन की हड़ताल के लिए परिसरों में एकत्र हुए। एसएफआई, एआईडीएसओ, आईसा और आरएसएफ के कार्यकर्ताओं ने यादवपुर विश्वविद्यालय परिसर में नारे लगाकर और ढोल बजाकर प्रदर्शन किया। हड़ताल को लागू करने के लिए उन्होंने कई विभागों के दरवाजे भी बंद कर दिए। यादवपुर विश्वविद्यालय के एक अधिकारी ने बताया कि परिसर में कोई कक्षाएं नहीं आयोजित की जा सकीं। वामपंथी छात्र संगठनों के गढ़ प्रेसीडेंसी विश्वविद्यालय में एसएफआई के सदस्यों ने तृणमूल कांग्रेस की बल प्रयोग करने की रणनीति तथा एक मार्च को शिक्षा मंत्री के भड़काऊ आचरण के खिलाफ तख्तियां लेकर विरोध प्रदर्शन किया। विश्वविद्यालय के एक अधिकारी ने कहा, आज विश्वविद्यालय में कोई कक्षा नहीं हुईं।

हेमंत सोरेन सरकार का बजट दिशाहीन: चंपई सोरेन

जमशेदपुर/भाषा। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री चंपई सोरेन ने सोमवार को राज्य सरकार द्वारा पेश बजट को ''दिशाहीन'' करार दिया और कहा कि इसमें आदिवासियों, किसानों, मजदूरों और युवाओं के लिए कुछ भी नहीं है। राज्य के वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए 1.45 लाख करोड़ रुपए का बजट पेश किया, जबकि 2024-25 में यह 1.28 लाख करोड़ रुपए का था।

चंपई सोरेन ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''यह एक दिशाहीन बजट है, जिसमें राज्य के आदिवासियों, मूलवासियों, किसानों, मजदूरों एवं युवाओं के लिए कुछ भी नहीं है। कहने को तो इसमें कई बड़ी घोषणाएं की गई हैं, लेकिन पिछले कई वर्षों से हर बार वही कहानी कही जाती है, लेकिन परिणाम कुछ नहीं निकलता है।''

उन्होंने कहा, ''कागज पर बड़ी-बड़ी योजनाएं घोषित कर रही इस सरकार को कोई याद दिलाये कि उन योजनाओं का क्रियान्वयन भी उनकी ही जिम्मेदारी है।

पिछले बजटों की कितनी योजनाएं पूरी हुईं? पूर्व मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि अबुआ बजट के नाम पर लोगों को गुमराह किया जा रहा है। भाजपा के वरिष्ठ नेता ने कहा, ''जब राज्य में ग्रीन कार्ड के लाभुकों को राशन और वृद्ध/ दिव्यांग/ विधवा लोगों को कई महीनों से पेंशन तक नहीं मिलती हो, तो क्या उम्मीद रखें?''

बिहार विधानसभा में 3.17 लाख करोड़ रुपए का बजट पेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बिहार की नीतीश कुमार सरकार ने साल के अंत में होने वाले विधानसभा चुनाव के पहले सोमवार को 3.17 लाख करोड़ रुपए का अपना अंतिम बजट पेश किया।

उपमुख्यमंत्री और वित्त मंत्रालय के प्रभारी सम्राट चौधरी ने राज्य विधानसभा में वित्त वर्ष 2025-26 का बजट पेश करते हुए दावा किया कि वर्षों की अराजकता के बाद बिहार को विकास के पथ पर लाने के लिए पिछले लगभग दो दशकों से नीतीश सरकार ने सफलतापूर्वक प्रयास किया है। चौधरी ने कहा कि इस बजट का आकार पिछले वित्त वर्ष की तुलना में 38,169 करोड़ रुपए अधिक है। उन्होंने सदन को बताया कि यह बजट प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी का मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जी के कुशल नेतृत्व की शक्ति एवं दृष्टि है। उन्होंने कहा, समृद्ध और सशक्त भारत निर्माण के लिए निर्धारित विजन-2047 के साथ समृद्ध बिहार की परिकल्पना को साकार करने के हमारे प्रयासों को द्रुत गति प्रदान करने के उद्देश्य से मैं बिहार सरकार का बजट पेश कर रहा हूं। आप अवगत हैं कि वर्षों की अराजकता के बाद राज्य को विकास के पथ पर लाने हेतु पिछले लगभग दो दशकों से नीतीश सरकार ने सफलतापूर्वक प्रयास किया है। वरिष्ठ भाजपा नेता चौधरी का इशारा विपक्षी राजद-कांग्रेस गठबंधन की तरफ था।

चौधरी ने कहा, आज बिहार के विकास के लिए हमारे प्रयासों को राज्य की जनता ने जनसमर्थन देकर सराहा है। इसके लिए हम उनका अभिनन्दन करते हैं। साथ ही, हमें अहसास है कि हमारी सरकार द्वारा वर्षों के अथक प्रयास से तैयार किए गए राज्य के विकास के लिए जरूरी मजबूत ढाँचा के आधार पर नये बिहार के निर्माण के लिए और अधिक प्रयास करने की जरूरत है। उन्होंने कहा, राज्य के विकास के लिए आदरणीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा दिए गए मंत्र सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास बहुत महत्वपूर्ण है। साथ ही मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जी का संकल्प न्याय के साथ विकास हमारे लिए प्रेरणादायी शक्ति का कार्य करती है।

चौधरी ने कहा, इस साल पेश केंद्र सरकार के बजट में बिहार को प्राथमिकता देने के लिए हम आदरणीय प्रधानमंत्री जी का विशेष आभार व्यक्त करते हैं। पिछले वर्ष के केन्द्रीय बजट में देश के विकास के लिए पूर्वोदय की जो अवधारणा प्रस्तुत की गई, उसमें बिहार के विकास के लिए कई प्रावधान किए गए थे।

केंद्र और राज्य के डबल इंजन की सरकार के समेकित सहयोग से बिहार समग्र विकास के लिए और तेज गति से आगे बढ़ेगा, ऐसा हमारा पूर्ण विश्वास है। शिक्षा क्षेत्र के लिए 60,964 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं, जो कि घनी आबादी वाले राज्य में बेहद महत्वपूर्ण है, जहां की जनसांख्यिकी अपेक्षाकृत युवा है।

मोदी सरकार में बेरोजगारी, महंगाई और झूठ का थोक में उत्पादन हुआ: राहुल

नई दिल्ली/भाषा। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने सोमवार को आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार में आर्थिक विफलता, बेरोजगारी, महंगाई और झूठ का थोक में 'उत्पादन' हुआ है। उन्होंने यह भी कहा कि 'अन्याय वाले कर' हटाकर, एकाधिकार मिटाकर और बैंक के दरवाजे खोलकर मजबूत भारत का निर्माण शुरू हो सकता है।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने फेसबुक पर एक पोस्ट में कहा, ''मोदी सरकार में अगर कुछ थोक में 'मैन्युफैक्चर' (उत्पादन) हुआ है, तो वो है आर्थिक विफलता, बेरोजगारी, महंगाई और झूठ।'' उन्होंने कहा, ''अन्याय वाले कर हटाओ, एकाधिकार मिटाओ, बैंक के दरवाज़े खोलो, हुनर को हक़ दिलाओ। तब अर्थव्यवस्था, रोज़गार और मज़बूत भारत का निर्माण शुरू होगा।''

नगालैंड सरकार ने नगा समस्या के समाधान के लिए कदम उठाए : राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोहिमा/भाषा। नगालैंड के राज्यपाल ला गणेशन ने सोमवार को कहा कि राज्य की बिना विपक्ष वाली एनडीपीपी सरकार ने नगा राजनीतिक मुद्दे का शांतिपूर्ण समाधान सुनिश्चित करने के लिए सामूहिक रूप से कदम उठाए हैं।

नगालैंड की 60 सदस्यीय विधानसभा के सप्ताह भर चलने वाले बजट सत्र के पहले दिन सदन की बैठक को संबोधित करते हुए गणेशन ने कहा कि राज्य पूर्वोत्तर राज्य के लोगों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को पूरा करने के लिए काम कर रहा है। उन्होंने कहा, ''इस सदन ने नगा राजनीतिक मुद्दे का शांतिपूर्ण समाधान सुनिश्चित करने के लिए सामूहिक रूप से कदम उठाए हैं। जैसा कि मुख्यमंत्री ने सदन में आश्वासन दिया था, मेरी सरकार ने नगा राजनीतिक मुद्दे पर विचार-विमर्श करने के लिए पिछले साल 12 सितंबर को शीर्ष और प्रभावशाली आदिवासी निकायों और नागरिक समाज संगठनों के साथ परामर्श बैठक की।''

राज्यपाल ने इस अवसर पर सदस्यों के पूर्ण सहयोग के लिए उनका आभार भी व्यक्त किया।

मुख्यमंत्री नेफ्यू रियो ने अपने मंत्रिमंडल सहयोगियों के साथ 21 नवंबर को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की थी और उन्हें नगा राजनीतिक मुद्दे के शीघ्र समाधान की लोगों की इच्छा से अवगत कराया था।

हिंदुस्तान पावर असम में सौर, बैटरी भंडारण परियोजनाओं में 620 करोड़ रुपए का निवेश करेगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। हिंदुस्तान पावर ने सौर और बैटरी भंडारण परियोजनाएं स्थापित करने के उद्देश्य से 620 करोड़ रुपए का निवेश करने के लिए असम सरकार के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। कंपनी ने सोमवार को बयान में कहा कि इस निवेश से बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली के साथ-साथ 100 मेगावाट के सौर ऊर्जा संयंत्र का विकास होगा।

कंपनी ने कहा कि वह सौर संयंत्र के लिए 500 करोड़ रुपए और बैटरी भंडारण सुविधा के लिए 120 करोड़ रुपए का निवेश करेगी। कंपनी के चेयरमैन रतुल पुरी ने कहा, ''हिंदुस्तान पावर वर्ष 2016 में असम में एक बड़ा सौर ऊर्जा संयंत्र विकसित करने वाली पहली कंपनी थी तथा कंपनी अक्षय ऊर्जा के नए युग में राज्य की विकास यात्रा को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है।''

रहाणे आईपीएल 2025 से पहले केकेआर के कप्तान बने

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय बल्लेबाज अजिंक्य रहाणे को घरेलू टी20 प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन के बाद सोमवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में गत चैंपियन कोलकाता नाइट राइडर्स की कप्तानी सौंपी गई।

छत्तीस साल के रहाणे ने भारत के लिए अपने अंतरराष्ट्रीय करियर में 85 टेस्ट मैच खेले हैं। उन्होंने हालांकि सबसे छोटे प्रारूप में खुद को फिर से स्थापित करते हुए इस साल सैयद मुश्ताक अली टी20 ट्रॉफी में 164.56 की स्ट्राइक रेट से 469 रन बनाये। वह इस टूर्नामेंट के बीते सत्र में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी रहे। दायें हाथ के इस बल्लेबाज ने आईपीएल में भी पिछले कुछ वर्षों में चेन्नई सुपर किंग्स के लिए आक्रमक बल्लेबाजी की है। रहाणे ने केकेआर के कप्तान के रूप में श्रेयस अय्यर की जगह ली है। श्रेयस इस सत्र में पंजाब किंग्स की अगुवाई करेंगे। पिछले सत्र में शानदार प्रदर्शन के बाद भी श्रेयस और केकेआर ने अलग होने का फैसला किया। केकेआर की कप्तानी करने की दौड़ में शामिल रहे वेंकटेश अय्यर को उपकप्तान बनाया गया है। रहाणे पहले भी केकेआर के लिए खेल चुके हैं और फ्रेंचाइजी ने उन्हें मेगा नीलामी में उनके आधार मूल्य 1.5 करोड़ रुपए में खरीदा था। रहाणे ने एक बयान में कहा, ''केकेआर की अगुवाई करने का मौका मिलना सम्मान की बात है। यह आईपीएल की सबसे सफल फ्रेंचाइजी में से एक है। मुझे लगता है कि हमारे पास एक बेहतरीन और संतुलित टीम है। मैं सभी के साथ काम करने और अपने खिताब को बचाने की चुनौती लेने के लिए उत्सुक हूं।'' रहाणे की अगुवाई में भारतीय टीम ने 2020-21 में ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट श्रृंखला में ऐतिहासिक जीत दर्ज की थी। उनकी अगुवाई में हाल ही में संपन्न रणजी ट्रॉफी में मुंबई का सफर सेमीफाइनल तक पहुंचाया था। रहाणे ने आईपीएल में राजस्थान रॉयल्स की कप्तानी की है। फ्रेंचाइजी ने हालांकि 2019 सत्र के बीच में उनकी जगह स्टीव स्मिथ को कप्तान बना दिया था। केकेआर की टीम में कप्तानी के लिए बहुत ज़्यादा विकल्प नहीं है। भारतीय खिलाड़ियों में से उन्हें रहाणे, वेंकटेश और रिंकू सिंह में से किसी एक को चुनना था। गत चैंपियन केकेआर का आईपीएल के पहले मैच में 22 मार्च को ईडन गार्डन्स में बेंगलूरु से मुकाबला होगा।

सैकिया ने रोहित पर 'ओछी' टिप्पणी के लिये कांग्रेस प्रवक्ता को फटकार लगायी

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा की कप्तानी और फिटनेस के स्तर पर सवाल उठाने वाली कांग्रेस प्रवक्ता शमा मोहम्मद को आड़े हाथों लेते हुए बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने सोमवार को कहा कि ऐसे में जबकि भारतीय टीम चैम्पियंस ट्रॉफी खेल रही है , एक जिम्मेदार व्यक्ति द्वारा इस तरह का 'ओछा' बयान देना दुर्भाग्यपूर्ण है । भारतीय टीम चैम्पियंस ट्रॉफी में दुबई में मंगलवार को आस्ट्रेलिया से सेमीफाइनल खेलेगी । सैकिया ने कहा,''यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है कि एक जिम्मेदार व्यक्ति ऐसा ओछा बयान दे रहा है, जब टीम इतना महत्वपूर्ण आईसीसी टूर्नामेंट खेल रही है । इससे व्यक्ति या टीम का मनोबल गिर सकता है ।'' उन्होंने कहा ,'' सभी खिलाड़ी अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर रहे हैं और नतीजे सामने हैं। उम्मीद है कि लोग प्रचार पाने के लिये राष्ट्रहित को ताक पर रखकर इस तरह की ओछी बयानबाजी से बाज आयेंगे।''

सुविचार

गलतियाँ जीवन का एक हिस्सा है, पर इन्हें स्वीकार करने का साहस बहुत कम लोगों में होता है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ट्रंप-जेलेंस्की 'कहासुनी' से सबक

यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लादिमीर जेलेंस्की के साथ व्हाइट हाउस में बड़ा कांड हो गया! अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने उनके साथ जैसा बर्ताव किया, वह किसी गली-मोहल्ले की बहस जैसा दृश्य था। प्राय: बड़े नेताओं के बीच किसी गंभीर मुद्दे को लेकर तकरार हो जाती है, लेकिन दो राष्ट्राध्यक्षों की 'मुलाकात' को इस तरह सार्वजनिक नहीं करना चाहिए था। खासकर डोनाल्ड ट्रंप को थोड़ा संयम दिखाना चाहिए था। ट्रंप-जेलेंस्की 'कहासुनी' से किसी को सबसे ज्यादा खुशी हो रही है तो वे रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन हैं। रूसी मीडिया में हर्ष की लहर है। यूक्रेन को अमेरिका से बड़ी उम्मीदें थीं, लेकिन ट्रंप ने सब पर पानी फेर दिया। खुद जेलेंस्की उस घड़ी को कोस रहे होंगे, जब उन्होंने पश्चिमी देशों के भरोसे रूस से भिड़ंत मोल ली थी। उन्हें तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने बड़े-बड़े ख्वाब दिखाए थे। अब अमेरिका ने मुंह मोड़ लिया। ट्रंप यूक्रेन के दुर्लभ खनिजों के दोहन में अपने देश की साझेदारी चाहते हैं, जबकि जेलेंस्की सुरक्षा की गारंटी चाहते हैं। इसी बात पर मामला बिगड़ गया और जेलेंस्की बहुत ज़लील होकर व्हाइट हाउस से निकले। इस संपूर्ण घटनाक्रम में कई सबक छिपे हैं। अपने देश की सुरक्षा दूसरों के भरोसे नहीं की जा सकती। जेलेंस्की को उम्मीद थी कि वे पश्चिमी देशों के सहारे रूस को धूल चटा देंगे और इतिहास में किसी महानायक की तरह याद रखे जाएंगे। अब हालात काबू से बाहर जा चुके हैं। यूक्रेन के पास न इतने हथियार हैं, न सैन्य बल और न इतने संसाधन कि वह अपने बूते रूस से घुटने टिकवा दे। अब ट्रंप मौके का फायदा उठाना चाहते हैं। उनकी नजर यूक्रेन की 'संपदा' पर है, जिससे वे अमेरिका का खजाना भरना चाहते हैं।

याद करें, कारगिल युद्ध में जब हमें हथियारों और गोला-बारूद की जरूरत थी, तब हमारे कथित मित्र देशों का रवैया कैसा था? तत्कालीन सेना प्रमुख जनरल वीपी मलिक इसका खुलासा कर चुके हैं। इसी तरह जब दिसंबर 1971 में पूर्वी पाकिस्तान (वर्तमान बांग्लादेश) में आम जनता पर पाकिस्तानी फौज अत्याचार कर रही थी, तब अमेरिका ने उसे फटकार लगाने के बजाय भारत को अपने सातवें बेड़े की धमकी दी थी। अमेरिका एक ओर तो आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई करने का अपना संकल्प दोहराता रहता है, दूसरी ओर पाकिस्तान को वित्तीय सहायता देता है। पाक उस राशि का एक बड़ा हिस्सा भारतविरोधी गतिविधियों और आतंकवाद में लगाता है। क्या यह अमेरिका का पाखंड नहीं है? जब डोनाल्ड ट्रंप राष्ट्रपति चुनाव के लिए प्रचार में व्यस्त थे, तब भारत में कई लोग उनकी जीत की कामना कर रहे थे। कुछ उत्साही लोग उनके लिए हवन करते दिखाई दिए थे। ट्रंप ने चुनाव जीतते ही भारत के खिलाफ बयानबाजी शुरू कर दी थी। वे भारतीय उत्पादों पर अधिक शुल्क लगाने की बात कहकर अपने देश में लोकप्रियता हासिल करने का दांव चल रहे थे। उन्होंने अवैध प्रवासियों को जंजीरों में जकड़ कर अपने सैन्य विमान से भारत भेजा था। 'मित्र राष्ट्र', 'दोस्त', 'मधुर संबंध' जैसे शब्द सुनने में बहुत अच्छे लगते हैं। बात जब अमेरिका के साथ 'मैत्री' की हो तो भारतीय कुछ ज्यादा ही उम्मीदें लगा लेते हैं। जबकि सच्चाई यह है कि अमेरिका हमेशा अपना फायदा देखता है। अब यूक्रेन भारी मुसीबत में है तो अमेरिका उसकी मजबूरी में 'मौका' देख रहा है। उसका यह पैंतरा नया नहीं है। वह भविष्य में भी इसी नीति का पालन करेगा। इसलिए राष्ट्रीय सुरक्षा, अर्थव्यवस्था, तकनीक और सभी महत्त्वपूर्ण मामलों में देश का 'आत्मनिर्भर' होना बहुत जरूरी है। दुनिया हमारा तभी सम्मान करेगी, जब देश शक्तिशाली होगा। जेलेंस्की का यूक्रेन की राजनीति में जिस तरह उदय हुआ और वे अपने देश को युद्ध की ओर लेकर गए, उससे बड़ा सबक यह मिलता है कि देश की बागडोर अगंभीर, अदूरदर्शी और नौसिखिए शख्स के हाथ में कभी नहीं सौंपनी चाहिए।

ट्वीटर टॉक

आज सिविल लाइंस स्थित कार्यालय पर प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों एवं विद्याधर नगर विधानसभा से पधारे भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं आमजन से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनी व संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

-दीया कुमारी

प्रकृति के संतुलन के साथ ही मानव अस्तित्व के लिए भी वन्य जीवों का विशेष महत्व है। वन्य जीवन की दृष्टि से अति विविध और समृद्ध हमारे देश में वन एवं वन्य जीव संरक्षण के लिए पिछले कुछ वर्षों में प्रभावी प्रयास किए गए हैं।

-ओम बिरला

भजनलाल सरकार के नेतृत्व में रीट और आरएएस 2025 भर्ती परीक्षा शांतिपूर्ण और निर्विघ्न रूप से संपन्न हुई। जबकि पूर्ववर्ती गहलोत सरकार के कार्यकाल में रीट का पेपर आउट हुआ था और प्रदेश के 70 लाख से अधिक युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया गया था।

-सतीश पूनिया

प्रेरक प्रसंग

प्रजा का विश्वास

एक बार त्जेकुंग ने महात्मा कन्फ्यूशियस से पूछा, 'सुचारु राज्य-संचालन के लिए किन-किन वस्तुओं की आवश्यकता है?' कन्फ्यूशियस ने उत्तर दिया, 'पर्याप्त अन्न, पर्याप्त फौज और राजा के प्रति प्रजा में विश्वास।' त्जेकुंग ने पूछा, 'यदि ये तीनों वस्तुएं एकसाथ प्राप्य न हो सकें तो इनमें से पहले किस वस्तु को छोड़ा जा सकता है?' कन्फ्यूशियस ने कहा, 'फौज।' त्जेकुंग ने फिर पूछा, 'और भगवन! यदि बाकी दो वस्तुओं में से भी यदि एक का परित्याग करना पड़े तो किसे छोड़ा जा सकता है?' कन्फ्यूशियस ने कहा, 'अन्न! अनंतकाल से मनुष्य मृत्यु के मुख में तो आता ही गया है; लेकिन जिस राजा में प्रजा का विश्वास न हो, उसका राज्य कभी टिक नहीं सकता।'

सामयिक

यौन अत्याचारों के बढ़ने की त्रासदी पर लगाम लगे

ललित गर्ग
मोबाइल : 9811051133

यौन शोषण दुनिया के लिए बड़ी समस्या है, जो दुनिया भर में है। हालांकि कुछ देशों में महिलाएं अधिक असुरक्षित एवं यौन उत्पीड़न, शोषण एवं हिंसा की शिकार हैं, इनमें दक्षिण पूर्व एशिया, पूर्वी यूरोप और कुछ लैटिन अमेरिकी और कैरेबियाई देशों शामिल हैं, भारत की स्थिति भी बहुत ज्यादा अच्छी नहीं कहीं जा सकती। वेश्यावृत्ति के उद्देश्यों के लिए इन क्षेत्रों की तस्करी वाली महिलाओं को आम तौर पर तथाकथित विकसित दुनिया के देशों में ले जाया जाता है। महिलाओं को इसी त्रासदी से मुक्ति दिलाने के लिये ही दुनियाभर में 4 मार्च को यौन शोषण के विरुद्ध संघर्ष का विश्व दिवस के रूप में मनाया जाता है। इसका उद्देश्य महिलाओं को यौन शोषण के विरुद्ध आवाज उठाने के लिए प्रेरित करना है। दुनियाभर में महिलाओं और बच्चों के साथ रोजाना कई प्रकार के यौन शोषण के मामले सामने आते रहते हैं। यह अनुमान लगाया गया है कि हर दिन औसतन आठ महिलाएं, लड़कियां और अक्सर युवा लड़कों का यौन शोषण किया जाता है।

यौन उत्पीड़न किसी भी प्रकार का अवांछित यौन प्रस्ताव, यौन पक्ष के लिए अनुरोध, यौन प्रकृति का मौखिक या शारीरिक आचरण या इशारा, या यौन प्रकृति का कोई अन्य व्यवहार है, जिसकी उचित रूप से अपेक्षा की जा सकती है या जिसे किसी अन्य के लिए अपमान या अपमान का कारण माना जा सकता है, जब ऐसा आचरण काम में बाधा डालता है, जो सहायता कर्मियों द्वारा साथी सहायता कर्मियों के विरुद्ध किया जाता है। यूनिसेफ ऐसे सभी प्रकार के यौन दुराचार, यौन उत्पीडन, अत्याचार और यौन हिंसा से निपटने के लिए प्रतिबद्ध है।

संयुक्त राष्ट्र यौन शोषण और यौन दुर्व्यवहार, यौन उत्पीड़न और बच्चों के खिलाफ यौन हिंसा के बीच अंतर करता है। यौन शोषण एक यौन प्रकृति का वास्तविक या धमकी भरा शारीरिक अतिक्रमण है, चाहे बलपूर्वक या असमान या बलपूर्वक परिस्थितियों में, सहायता कार्यकर्ताओं द्वारा उन बच्चों और परिवारों के खिलाफ किया जाता है जिनकी हम सेवा करते हैं।

यौन उत्पीड़न समाज में हर जगह पसरा है, कार्यस्थल, शैक्षणिक संस्थान और घर से लेकर धार्मिक स्थलों में महिलाएं एवं बालिकाएं असुरक्षित है। ग्रामीण इलाकों में 26 प्रतिशत महिलाएं, शहरी इलाकों में 21 प्रतिशत और उपनगरीय इलाकों में 18 प्रतिशत महिलाएं यौन उत्पीड़न की शिकार होती हैं। जो महिलाएं अपनी आय का मुख्य स्रोत टिप पर निर्भर रहती हैं, उनके यौन उत्पीड़न की संभावना दोगुनी होती है। कॉलेज के दो-तिहाई छात्र यौन उत्पीड़न का अनुभव करते हैं। 12-17 साल की उम्र के 1.6 प्रतिशत बच्चे बलात्कार या यौन उत्पीड़न के शिकार होते हैं। यौन उत्पीड़न का शिकार हुई चार किशोर बालिकाओं एवं बच्चों में से लगभग तीन यानी 74 प्रतिशत कोई ऐसी बालिका या बच्चे अपने ही किसी परिचित से हुए, जिसे वे अच्छी तरह से जानती थे। यौन शोषण कई तरह से किया जाता है, जैसे अवांछित यौन स्पर्श 49 प्रतिशत, साइबर यौन उत्पीड़न 40 प्रतिशत, अवांछित जननांग प्रदर्शन 30 प्रतिशत, शारीरिक रूप से पीछा किया जाना 27 प्रतिशत और यौन उत्पीड़न 23 प्रतिशत है।

यह दिवस देश एवं दुनिया में महिलाओं और बालिकाओं के साथ हो रहे यौन शोषण के मामलों पर लगाम लगाने के लिये जागरूकता की मुहिम है। इसका मुख्य उद्देश्य यौन शोषण और वेश्यावृत्ति में लिप्त महिलाओं को बचाकर उन्हें सामान्य जीवन जीने के लिए प्रेरित करना भी है। महिलाओं एवं बालिकाओं पर बढ़ते यौन अत्याचारों को देखते हुए यह प्रतीत होता है कि इक्कीसवीं सदी का सफर करते हुए तमाम तरह के विकास के वायदे खोखले साबित हो रहे हैं। भारत के लिए निश्चित रूप से यह चिंताजनक है और हमारी विकास-नीतियों पर सवाल भी उठाती है। बड़ा सवाल तो तब खड़ा हुआ जब सुप्रीम कोर्ट में पेश आंकड़ों के मुताबिक 2016 में ही देश भर में करीब एक लाख बच्चे यौन अपराधों के शिकार हुए। कितनी विडम्बना है कि देश में हम बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' का नारा बुलन्द करते हुए एक जोरदार मुहिम चला रहे हैं उस देश में लगातार बालिकाएं यौन शोषण का शिकार हो रही है। यह दाग 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' के संकल्प पर भी लगा है और यह दाग हमारे द्वारा नारी को पूजने की परम्परा पर भी लगा है। लेकिन प्रश्न है कि हम कब बेदाग होंगे? अच्छे भविष्य के लिए हम बेटियों की पढ़ाई से ही सबसे ज्यादा उम्मीदें बांधते हैं। बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ जैसे नारे हमारे संकल्प को बताते हैं, हमारी सदिच्छा को दिखाते हैं, भविष्य को लेकर हमारी सोच को जाहिर करते हैं, लेकिन वर्तमान की हकीकत इससे उलट है। वे पढ़ाई में अपने झंडे भले ही गाड़ दें, लेकिन उन्हें आगे बढ़ने से रोकने की क्रूरताएं कई तरह की हैं। उसका मुख्य कारण है सदियों से चली आ रही कुरीतियाँ, अंधविश्वास व बालिकओ को भोग्या समझने की विकृत मानसिकता।

बालिकाओं के साथ होने वाली त्रासद एवं अमानवीय घटनाएं -निर्भया कांड, नितीश कटारा हत्याकांड, प्रियदर्शनी मट्टू बलात्कार व हत्याकांड, जेसिका लाल हत्याकांड, रुचिका मेहरोत्रा आत्महत्या कांड, आरुषि मर्डर मिस्ट्री की घटनाओं में पिछले कुछ सालों में इंडिया ने कुछ और ऐसे मौके दिए जब अहसास हुआ कि भ्रूण में किसी तरह नारी अस्तित्व बच भी जाए तो दुनिया के पास उनके साथ और भी बहुत कुछ है बुरा करने के लिए। बहशी एवं दरिन्दे लोग ही बालिकाओं को नहीं नोचते, समाज के तथाकथित ठेकेदार कहे जाने वाले लोग और पंचायतें, तथाकथित राम-रहीम जैसे धर्मगुरु भी बालिकाओं की स्वतंत्रता एवं अस्मिता को कुचलने में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ रहे हैं, स्वतंत्र भारत में यह कैसा समाज बन रहा है, जिसमें महिलाओं की आजादी छीनने की कोशिशें और उससे जुड़ी यौन उत्पीड़न एवं हिंसक की त्रासदीपूर्ण घटनाओं ने बार-बार हम सबको शर्मसार किया है। यौन शोषण के विरुद्ध संघर्ष का विश्व दिवस का यह अवसर इन त्रासद एवं क्रूर स्थितियों पर आत्म-मंथन करने का है, क्योंकि बालिकाओं एवं महिलाओं के समावेश, न्याय व सुरक्षा की स्थिति को बताने वाले वैश्विक शांति व सुरक्षा सूचकांक के 177 देशों में भारत का 128वां स्थान है। एनसीआरबी की रिपोर्ट के अनुसार, महिलाओं के विरुद्ध अपराध में राष्ट्रीय औसत 66.4 प्रतिशत है। राजधानी दिल्ली का स्थान 144.4 अंकों के साथ सर्वोच्च है। माना जाता है कि 90 प्रतिशत यौन उत्पीड़न जान-पहचान के व्यक्ति ही करते हैं। यानी बालिकाएं अपने ही घर या परिचितों के बीच सबसे ज्यादा असुरक्षित है।

बालिकाओं एवं महिलाओं के ख़िलाफ़ हो रहे अपराध, ख़ासतौर पर यौन अपराध के ज्यादातर मामले सामने नहीं आ पाते, विशेषतः बालिकाएं समझ ही नहीं पाती कि उनके साथ कुछ गलत हो रहा है। अगर वे समझती भी हैं तो डांट के डर से अभिभावकों से इस बारे में बात नहीं करती हैं। महिला एवं बाल विकास कल्याण मंत्रालय के अध्ययन में भी यही बात सामने आई है। बालिकाओं पर बढ़ रहे यौन अपराधों पर नियंत्रण पाने के लिये व्यापक प्रयत्नों की अपेक्षा है।

बालिकाओं एवं बच्चों से खुलकर बात करें। उनकी बात सुने और समझें। अगर बालिकाओं एवं बच्चे कुछ ऐसा बताते है तो उसे गंभीरता से लें। इस समस्या को हल करने की कोशिश करें। पुलिस में बेझिझक शिकायत करें। बालिकाओं एवं बच्चों को 'गुड टच-बैड टच' के बारे में बताएं- बालिकाओं एवं बच्चों को बताएं कि किस तरह किसी का उनको छूना ग़लत है। बालिकाओं के आस-पास काम करने वाले लोगों की पुलिस वेरिफिकेशन होनी चाहिए। जब कोई अपराध करता हुआ पकड़ा जाता है तो उसे फ़ास्ट ट्रैक कोर्ट के ज़रिए जल्द से जल्द सज़ा मिलनी चाहिए। अपराधियों को जल्द सज़ा समाज में सख्त संदेश देती है कि ऐसा अपराध करने वाले बच नहीं सकते। बालिका एवं बच्चों के यौन अपराधियों को सज़ा देने के लिए खास कानून है- पॉक्सो यानि प्रोटेक्शन ऑफ चिल्ड्रन फ्रॉम सेक्शुअल ऑफेंसेस। इस कानून का मकसद बालिकाओं एवं बच्चों के साथ यौन अपराध करने वालों को जल्द से जल्द सजा दिलाना है, इस कानून का सही परिप्रेक्ष्य में तत्परता से पालन होना चाहिए।

बालिकाओं एवं बच्चों से खुलकर बात करें। उनकी बात सुने और समझें। अगर बालिकाओं एवं बच्चे कुछ ऐसा बताते है तो उसे गंभीरता से लें। इस समस्या को हल करने की कोशिश करें। पुलिस में बेझिझक शिकायत करें। बालिकाओं एवं बच्चों को 'गुड टच-बैड टच' के बारे में बताएं- बालिकाओं एवं बच्चों को बताएं कि किस तरह किसी का उनको छूना ग़लत है। बालिकाओं के आस-पास काम करने वाले लोगों की पुलिस वेरिफिकेशन होनी चाहिए। जब कोई अपराध करता हुआ पकड़ा जाता है तो उसे फ़ास्ट ट्रैक कोर्ट के ज़रिए जल्द से जल्द सज़ा मिलनी चाहिए। अपराधियों को जल्द सज़ा समाज में सख्त संदेश देती है कि ऐसा अपराध करने वाले बच नहीं सकते।

नजरिया

भाजपा के लिए नया अध्यक्ष बेहद महत्वपूर्ण होगा। प्रधानमंत्री मोदी और गृहमंत्री अमित शाह के नेतृत्व में पार्टी ने जो रणनीतियां बनाई हैं, उनके साथ नए अध्यक्ष को तालमेल बैठाना होगा। उसे पार्टी के संगठन को नई दिशा देने के साथ-साथ युवाओं को जोड़ने और आगामी चुनावों की तैयारियों में सक्रिय भूमिका के साथ एनडीए के साथी संगठनों से बेहतर समन्वय स्थापित करना होगा। इसलिए पार्टी को एक ऐसे चेहरे की तलाश है जो राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की विचारधारा से जुड़ा हो और संगठनात्मक ष्टि से मजबूत हो।

भाजपा अध्यक्ष के लिए शिवराज सिंह सबसे प्रबल दावेदार

बाल मुकुन्द ओझा
मोबाइल : 9414441218

भारतीय जनता पार्टी में नये राष्ट्रीय अध्यक्ष के निर्वाचन के लिए मंथन और निर्विरोध चयन को अंतिम रूप दिया जा चुका है। राष्ट्रीय अध्यक्ष के निर्वाचन की प्रक्रिया फरवरी तक पूरी होनी थी, मगर दिल्ली विधानसभा चुनाव सहित देशभर में संगठनात्मक चुनाव पूरे नहीं होने के कारण अब मार्च में पार्टी को नया अध्यक्ष मिलेगा। इस दौरान जे.पी. नड्डा अपने पद पर बने रहेंगे। भाजपा के संविधान के मुताबिक राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव के लिए कम से कम 50 प्रतिशत राज्य इकाइयों द्वारा अपने-अपने अध्यक्षों का चुनाव किया जाना आवश्यक है। राष्ट्रीय अध्यक्ष के लिए निर्वाचक मंडल के सदस्यों का भी चयन किया जाता है। फिलहाल, 36 राज्यों में से लगभग एक दर्ज़न प्रदेशों में ही चुनाव संपन्न हुए हैं। राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव के लिए छह और राज्यों में अध्यक्षों के चुनाव कराए जाने की जरूरत है। मिली जानकारी के अनुसार कई प्रदेशों में आपसी मतभेदों के कारण चुनाव प्रक्रिया अटक गई है। पार्टी विथ डिफरेंस और दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी होने का दावा करने वाली भाजपा में नये अध्यक्ष को लेकर तरह तरह की चर्चाएं व्याप्त हो रही हैं। दक्षिण भारत और उत्तर भारत की संभावनाएं भी तलाशी जा रही हैं। अनेक बड़े और दमदार नेताओं के नाम सामने आ रहे हैं, जो पार्टी के इस महत्वपूर्ण पद के लिए दावेदार हैं। इसी बीच मीडिया में प्रमुखता से एक दर्ज़न नामों की चर्चा सुनी जा रही है। इनमें केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान, धर्मेंद्र प्रधान, देवेंद्र फडणवीस, मनोहर लाल खट्टर, समृति ईरानी, रघुवर दास सहित जी किशन रेडडी, बंडी संजय कुमार और प्रह्लाद जोशी के नाम प्रमुखता से लिए जा रहे है। किसी महिला को राष्ट्रीय अध्यक्ष का दारोमदार सौंपने की चर्चाएं भी है। संघ के पसंद-नापसंद की चर्चाएं भी छाई हुई है। मगर एक बात जो सबसे पुख्ता और प्रामाणिक है, वह यह है कि जो भी अध्यक्ष बनेगा वह प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी और अमित शाह की मर्जी से ही बनेगा। बिहार और बंगाल सहित अनेक विधान सभाओं के चुनाव नये अध्यक्ष के कार्यकाल में संपन्न होंगे इसीलिए फूंक फूंक कर कदम उठाये जा रहे है। निवर्तमान अध्यक्ष नड्डा, मोदी और शाह के विश्वसनीय है। खुद का कोई विशेष जनाधार नहीं है। अपने गृह राज्य हिमाचल के विधानसभा चुनाव में वह पार्टी को विजयश्री नहीं दिला पाए। यह भी कहा जा रहा है मोदी और शाह अपने फैसलों से चौंकाते रहे है। राज्यों में मुख्यमंत्री का चयन हो चाहे केंद्र सरकार में मंत्री का चुनाव, सभी मौकों पर चौंकाने वाले फैसले सामने आते रहे हैं। इसलिए यह कहने वालों की कमी नहीं है कि मोदी, पार्टी और देश को एकबार फिर चौंका सकते है।

भाजपा के लिए नया अध्यक्ष बेहद महत्वपूर्ण होगा। प्रधानमंत्री मोदी और गृहमंत्री अमित शाह के नेतृत्व में पार्टी ने जो रणनीतियां बनाई हैं, उनके साथ नए अध्यक्ष को तालमेल बैठाना होगा। उसे पार्टी के संगठन को नई दिशा देने के साथ-साथ युवाओं को जोड़ने और आगामी चुनावों की तैयारियों में सक्रिय भूमिका के साथ एनडीए के साथी संगठनों से बेहतर समन्वय स्थापित करना होगा। इसलिए पार्टी को एक ऐसे चेहरे की तलाश है जो राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की विचारधारा से जुड़ा हो और संगठनात्मक दृष्टि से मजबूत हो। साथ ही मोदी और शाह के भरोसे का हो।

भाजपा पर नज़र रखने वाले एक जाने माने पत्रकार ने इन पंक्तियों के लेखक को बताया मोदी के मन की थाह लेना बहुत मुश्किल और लगभग असंभव है। यह भी बताया जा रहा है जिन नामों की चर्चा हो रही है उनमें सबसे लोकप्रिय और जनाधार वाले नेता शिवराज सिंह चौहान है। चौहान संघ के भी प्रिय है। 2013 में भाजपा के वरिष्ठ नेता एलके आडवाणी अपने विश्वास पात्र शिवराज सिंह को प्रधानमंत्री का चेहरा बनाना चाहते थे। मगर उस दौरान यह संभव नहीं हुआ। संघ की यह दूरगामी सोच है कि मोदी की जगह शिवराज ले सकते है। चार बार मुख्यमंत्री और 6 बार सांसद रहे कद्दावर नेता शिवराज सिंह चौहान पिछड़े वर्ग की नुमाईंदगी करते है और उनपर कोई दाग भी नहीं है। अध्यक्ष के जरिये अगले लोकसभा चुनाव में उन्हें प्रधान मंत्री का चेहरा घोषित कर चुनाव लड़ा जा सकता है। अब यह पूरी तौर पर संघ के साथ मोदी और शाह पर निर्भर होगा कि वे किसे भाजपा का ताज सौंपते है।

महत्त्वपूर्ण
Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

पूजा

केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने सोमवार को अयोध्या में श्री राम जन्मभूमि मंदिर में पूजा-अर्चना की।

चीन विनिर्माण क्षेत्र में बढ़ा रहा एकाधिकार, यूरोप, अन्य देशों के साथ एफटीए से होगा लाभः विरमानी

नयी दिल्ली/भाषा। नीति आयोग के सदस्य डॉ. अरविंद विरमानी ने कहा है कि चीन सोच-विचार कर विनिर्माण क्षेत्र में एकाधिकार बढ़ा रहा है और वैश्विक अनिश्चितता का यह भी एक कारण है, जिस पर ध्यान देने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि यूरोप, ब्रिटेन समेत अन्य देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) से 'लोकतांत्रिक बाजार अर्थव्यवस्था' को बढ़ावा मिलेगा।

विरमानी ने यह भी कहा कि वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद चालू वित्त वर्ष में देश की आर्थिक वृद्धि दर 6.5 प्रतिशत रहने की उम्मीद है।

नीति आयोग के सदस्य ने पीटीआई-भाषा से विशेष बातचीत में कहा, ''दुनिया में अनिश्चितता बढ़ गयी है। अमेरिका में शुल्क दरों की घोषणा के साथ चीन के कदम से भी अनिश्चितता बढ़ रही है। चीन सोच-विचार कर विनिर्माण क्षेत्र में एकाधिकार बढ़ा रहा है, जिसपर हमारा ध्यान नहीं जाता।'' निजी निवेश से जुड़े एक सवाल के जवाब में विरमानी ने कहा, ''निजी निवेश वैश्विक स्तर पर जारी उथल-पुथल से जुड़ा है। लोग यह भूल गये हैं कि चीन में क्षमता बढ़ती जा रही है... बाजार अर्थव्यवस्था में जब क्षमता उपयोग कम होता है तो निवेश घटता है। यह फ्रांस, ब्रिटेन में देखा जा सकता है। लेकिन चीन में निवेश जारी है। इसका क्या मतलब है? वहां मांग उतनी ही है लेकिन निवेश बढ़ रहा है और क्षमता भी बढ़ रही है।''

नीति आयोग के सदस्य के अनुसार, चीन सोच-विचार कर यह कर रहा है। इसीलिए हम प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) को आकर्षित करने समेत अन्य उपाय कर रहे हैं। मुक्त व्यापार समझौते कर रहे हैं। यूरोप के साथ व्यापार समझौते पर बातचीत जारी है और अमेरिका के साथ भी इस पर काम करने पर सहमति बनी है।''विरमानी के अनुसार, ''वास्तव में एक नई समस्या खड़ी हो गयी है। लेकिन मेरा ख्याल है कि अगले छह महीने में अनिश्चतता कम हो जाएगी और निजी निवेश पटरी पर आने की उम्मीद है।'

' आर्थिक वृद्धि के बारे में पूछे जाने पर विरमानी ने कहा, ''एक तिमाही (चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही) में नरमी आई थी। कई कारण हो सकते हैं। एक कारण दुनिया में अनिश्चितता का बढ़ना है...।'' नीति आयोग के सदस्य ने कहा, ''यह हो सकता है कि तीन से छह महीने में वैश्विक आर्थिक गतिविधियों को लेकर जो अनिश्चितता कुछ कम हो तो इसका सकारात्मक अप्रत्यक्ष असर हो सकता है।

मनमोहन सिंह के कार्यकाल में कश्मीर मुद्दा सुलझाने के करीब पहुंच गए थे भारत-पाक : उमर

जम्मू/भाषा। जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने सोमवार को कहा कि मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली संप्रग सरकार के दौरान भारत और पाकिस्तान कश्मीर मुद्दे को सुलझाने के करीब पहुंच गए थे और उन्हें अपने जीवनकाल में पूर्व स्थिति की वापसी की उम्मीद नहीं है।

जम्मू-कश्मीर विधानसभा के बजट सत्र के पहले दिन सिंह और चार अन्य पूर्व विधायकों को श्रद्धांजलि देते हुए अब्दुल्ला ने मनमोहन सिंह की प्रशंसा की और कहा कि उन्होंने विस्थापित कश्मीरी पंडितों की वापसी के लिए व्यावहारिक कदम उठाए और उनके कार्य समूह अब भी प्रासंगिक हैं। विधानसभा में पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह, पूर्व मंत्री सैयद गुलाम हुसैन गिलानी, पूर्व राज्यसभा सदस्य शमशेर सिंह मन्हास और पूर्व विधायक गुलाम हसन पर्रे और चौधरी प्यारा सिंह को श्रद्धांजलि देने के लिए दो मिनट का मौन रखा गया, जिनका नवंबर में अंतिम विधानसभा सत्र के बाद निधन हो गया था।

उपराज्यपाल मनोज सिन्हा के अभिभाषण के बाद विधानसभा अध्यक्ष अब्दुल रहीम राठेर ने शोक प्रस्ताव रखा। शाम लाल शर्मा , जी ए मीर और एम वाई तारिगामी समेत कई सदस्यों ने भी सदन में अपनी बात रखी। मुख्यमंत्री ने कहा, ''पिछले विधानसभा सत्र (श्रीनगर में) में हमारे पास पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की अध्यक्षता वाली एक लंबी सूची थी और अब चार महीने बाद हमारे पास एक अन्य पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की अध्यक्षता वाली एक छोटी सूची है, जिन्होंने देश के लिए बहुत बड़ा योगदान दिया है।''

उमर अब्दुल्ला ने सिंह के एक गांव से भारत के प्रधानमंत्री बनने तक की यात्रा तथा विशेष रूप से निजी क्षेत्र और सामाजिक कल्याण उपायों से संबंधित सुधारों को लागू करके भारत को एक आर्थिक शक्ति बनाने में उनके योगदान को याद किया।

'इमरान खान को जेल में काल कोठरी में रखा गया है'

इस्लामाबाद/भाषा। पाकिस्तान की जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को रावलपिंडी की उच्च सुरक्षा वाली अदियाला जेल में काल कोठरी में अलग-थलग रखा गया है। खान की पार्टी ने सोमवार को यह दावा किया। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के केंद्रीय सूचना सचिव शेख वकास अकरम ने संवाददाता सम्मेलन के दौरान यह दावा किया। उन्होंने दावा किया, ''इमरान खान को काल कोठरी में रखा गया है; उन्हें एकांत कारावास में रखा गया है। खान को दोषी ठहराए जाने से पहले ही विचाराधीन कैदी के रूप में काल कोठरी में रखा गया है।'' उन्होंने यह भी दावा किया कि जिस कोठरी में खान को रखा गया, वह आतंकवादियों के लिए है। अकरम ने कहा कि यह शर्मनाक है कि पूर्व प्रधानमंत्री के साथ इस तरह का व्यवहार केवल उनके मनोबल को तोड़ने की नीयत से किया जा रहा है। उन्होंने दावा किया कि तमाम मुश्किलों के बावजूद खान का मनोबल मजबूत है।

अकरम ने कहा कि खान को राजनीतिक सहयोगियों और परिवार के सदस्यों सहित आगंतुकों से मिलने की अनुमति नहीं दी गई जो कानून के विपरीत है। कानूनन उन्हें वकीलों और करीबी रिश्तेदारों से मिलने का अधिकार है। उन्होंने यह भी दावा किया कि छह लोगों को खान से मिलने की अनुमति देने वाले अदालत के फैसले के बावजूद, अधिकारियों ने मुलाकात की अनुमति नहीं दी।

कुछ कहानियां कभी फीकी नहीं पड़तीं : मनोज बाजपेयी

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेता मनोज बाजपेयी की फिल्म 'गुलमोहर' को रिलीज हुए दो साल पूरे हो चुके हैं। इस मौके पर अभिनेता ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर किया और कहा कि कुछ कहानियां कभी फीकी नहीं पड़ती हैं। वे बढ़ती हैं और जिंदगी का हिस्सा बन जाती हैं। साल 2023 में रिलीज फिल्म 'गुलमोहर' को अभिनेता ने अपने दिल के बहुत करीब बताया। उन्होंने इंस्टाग्राम पर तस्वीरों को शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, 'गुलमोहर' के दो साल पूरे हो चुके हैं और यह फिल्म अभी भी घर जैसी लगती है। कुछ कहानियां कभी फीकी नहीं पड़तीं, वे बढ़ती हैं और आपका हिस्सा बन जाती हैं। 'गुलमोहर' उनमें से एक है। दर्शकों का दिल जीतने से लेकर कई राष्ट्रीय पुरस्कार और अन्य प्रतिष्ठित पुरस्कार पाने तक, पूरी टीम के लिए यह यात्रा शानदार रही। उन्होंने आगे कहा, इस कहानी को इतनी गहराई और ईमानदारी से आकार देने के लिए हमारे निर्देशक राहुल और लेखिका अर्पिता मुखर्जी को बहुत-बहुत धन्यवाद और इसे जीवंत बनाने वाले सभी लोगों का भी धन्यवाद। दर्शकों का भी आभार जिन्होंने इसे अपनाया और इसमें खुद का एक हिस्सा पाया। 3 मार्च 2023 को डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर रिलीज फिल्म के निर्देशक और लेखक राहुल वी चिट्टेला हैं। 'गुलमोहर' में मनोज बाजपेयी के साथ अभिनेत्री शर्मिला टैगोर, सिमरन, सूरज शर्मा, अमोल पालेकर और कावेरी सेठ जैसे कलाकार अहम भूमिका में हैं। 'गुलमोहर' को 54वें आईएफएफआई भारतीय पैनोरमा मुख्यधारा सेक्शन में दिखाया गया था। यह फिल्म एक फैमिली-ड्रामा है। 'गुलमोहर' के साथ शर्मिला टैगोर ने 13 साल बाद स्क्रीन पर वापसी की। 70वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार में 'गुलमोहर' ने कई पुरस्कार जीते, जिसमें हिंदी में सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म, मुखर्जी और चिट्टेला के लिए सर्वश्रेष्ठ पटकथा और मनोज बाजपेयी को फिचर फिल्म के लिए विशेष उल्लेख भी शामिल है।

जन्मदिन

झारखंड मुक्ति मोर्चा की नेता कल्पना मुर्मू सोरेन ने सोमवार को रांची में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को उनके जन्मदिन के अवसर पर केक खिलाती हुई।

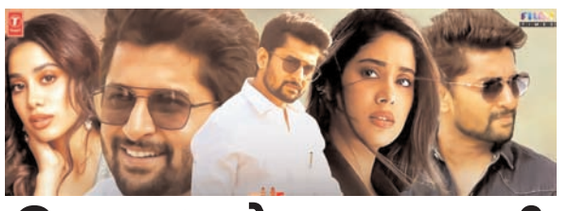

फिल्म 'द पैराडाइज़' की पहली झलक रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

नेचुरल स्टार नानी की आने वाली फिल्म 'द पैराडाइज़' की पहली झलक रिलीज कर दी गयी है। नानी ने फिल्म 'दसरा' में अपनी कम्फर्ट जोन से बाहर निकलकर एक रफ और रस्टिक किरदार निभाया, जिसने फैंस को चौंका दियाअब नानी एक बार फिर दर्शकों को इंप्रेस करने के लिए तैयार हैं। इस बार नानी फिर से निर्देशक श्रीकांत ओडेला और प्रोड्यूसर सुधाकर चेरुकुरी के साथ जुड़कर एक और दमदार फिल्म लेकर आ रहे हैं। उनकी नई फिल्म 'द पैराडाइज़' फिलहाल प्रोडक्शन के शुरुआती दौर में है और ये नानी को एक बार फिर एक बड़े, दमदार और लार्जर-दैन-लाइफ किरदार में पेश करेगी। 'दसरा' के बाद नानी का ये प्रोजेक्ट और भी ग्रैंड होने वाला है। आज मेकर्स ने फिल्म की पहली झलक, जिसे 'रॉ स्टेटमेंट' नाम दिया गया है, रिलीज कर दिया, और नाम खुद ही सब कुछ बयां कर देता है। पहले ही फ्रेम से समझ आ जाता है कि इसे रॉ क्यों कहा गया है। 'रॉ स्टेटमेंट' को तेलुगु, तमिल, हिंदी, इंग्लिश और स्पेनिश में रिलीज किया गया है।फिल्म का एटमॉस्फियर, भाषा, नैरेटिव और बैकड्रॉप सब कुछ पूरी तरह से रियल, अनफिल्टर्ड और ग्रिट्टी नजर आता है। ग्लिम्प्स की शुरुआत ही एक डिस्क्लेमर से होती हैरॉ ट्रूथ, रॉ लैंग्वेज, जो इस कहानी की टोन को सेट कर देता है और इशारा देता है कि आगे कुछ दमदार और हटके देखने को मिलने वाला है।

फिल्म बी हैप्पी का ट्रेलर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

प्राइम वीडियो ने आज अपनी आगामी ओरिजिनल फिल्म बी हैप्पी का दिल छू लेने वाला और मनोरंजक ट्रेलर रिलीज कर दिया है। लिज़ेल रेमो डिसूजा द्वारा रेमो डिसूजा एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के बैनर तले निर्मित और रेमो डिसूजा निर्देशित, पारिवारिक मनोरंजक फिल्म बी हैप्पी, एक पिता और बेटी के अटूट बंधन, सपनों के पीछे भागने के जादू और डांस के प्रति गहरे जुनून का जश्न मनाती है। एक खुशमिजाज परिवार की कहानी के केंद्र में स्थित, बी हैप्पी में अभिषेक बच्चन, नोरा फतेही, नास्सर, और इनायत वर्मा मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे, जबकि जॉनी लीवर और हरलीन सेठी सहायक भूमिकाओं में नजर आएंगे। यह फिल्म, 14 मार्च को विशेष रूप से प्राइम वीडियो पर भारत सहित 240 से अधिक देशों और क्षेत्रों में हिंदी भाषा में रिलीज होगी, साथ ही तमिल, तेलुगु, मलयालम और कन्नड़ में डब संस्करण भी उपलब्ध होंगे। अभिषेक बच्चन ने कहा, शिव का किरदार निभाना एक भावनात्मक यात्रा रही, क्योंकि वह एक ऐसा पिता है जो अपनी बेटी के सपने को पूरा करने के लिए समय और हालात से लड़ रहा है। बी हैप्पी सिर्फ एक फिल्म नहीं है। यह आत्मबल और साहस की एक प्रेरणादायक कहानी है, जो हमें यह सिखाती है कि जीवन की कठिनाइयों के बावजूद हमें आगे बढ़ते रहना चाहिए। बिल्कुल डांस की तरह। इस फिल्म की आत्मा और प्रेरणा रेमो सर की दृष्टि और विशेषज्ञता से आई है। हर दृश्य में गहराई और भावनाओं को बुनने की उनकी क्षमता अद्वितीय है, और मेरा मानना है कि दर्शक कहानी और उसके किरदारों के साथ गहरा जुड़ाव महसूस करेंगे। मैं 14 मार्च को प्राइम वीडियो पर फिल्म के प्रीमियर का इंतजार कर रहा हूं।

नोरा फतेही ने कहा,बी हैप्पी पर काम करना मेरे लिए अविश्वसनीय रूप से खास अनुभव रहा। एक डांसर का किरदार निभाना मेरे लिए बहुत मायने रखता है, क्योंकि इसने मुझे अपने दो सबसे बड़े जुनून,अभिनय और नृत्य को एक साथ लाने का मौका दिया। मुझे हमेशा बच्चों के साथ काम करने में मज़ा आता है, और इनायत ने अपने किरदार में जिस तरह की वास्तविकता और भावनाएं भरी हैं, वह देखने लायक है। अभिषेक बच्चन के साथ स्क्रीन साझा करना एक शानदार अनुभव था।उनकी प्रतिबद्धता और समर्पण ने हर दृश्य को और बेहतर बना दिया। एक दूरदर्शी निर्देशक और प्रसिद्ध कोरियोग्राफर रेमो डिसूज़ा के साथ फिर से काम करना भी बहुत प्रेरणादायक रहा। नृत्य कहानी कहने में उनकी विशेषज्ञता ने मुझे अपने किरदार में सर्वश्रेष्ठ लाने के लिए प्रेरित किया। बी हैप्पी सपनों और मानवीय भावना की दृढ़ता का उत्सव है, और मुझे यकीन है कि यह फिल्म दुनिया भर के दर्शकों के दिलों को छूएगी।

लिज़ेल रेमो डिसूज़ा ने कहा, बी हैप्पी एक सरल लेकिन भावनात्मक रूप से समृद्ध कहानी है, जो एक डांस प्रतियोगिता की पृष्ठभूमि में पिता और बेटी के रिश्ते को खूबसूरती से दर्शाती है। यह भावनाओं और हल्के-फुल्के पलों के बीच संतुलन बनाते हुए ऐसे सार्वभौमिक विषयों को छूती है, जो दर्शकों के दिलों में गहराई तक उतरेंगे। अभिषेक, नोरा, नास्सर, इनायत और पूरी टीम ने इस अनूठी कहानी को सजीव करने में शानदार काम किया है। प्राइम वीडियो के साथ काम करने का अनुभव अविश्वसनीय रहा है। वे कहानियों को वैश्विक दर्शकों तक पहुंचाने के लिए पूरी तरह समर्पित हैं, और यह वास्तव में प्रेरणादायक है। मुझे खुशी है कि यह फिल्म 14 मार्च को प्राइम वीडियो पर विश्व स्तर पर रिलीज़ होने जा रही है।

महाकुंभ में स्नान के समय कैटरीना का वीडियो बनाने को रवीना टंडन ने घिनौना बताया

नई दिल्ली/भाषा। महाकुंभ में स्नान के दौरान बॉलीवुड अभिनेत्री कैटरीना कैफ का वीडियो बनाने वाले को आड़े हाथों लेते हुए अभिनेत्री रवीना टंडन ने कहा कि यह हरकत बेहद घिनौनी है। रवीना ने कहा कि यह अभिनेत्री के लिए ''सुकून'' का पल था, लेकिन इस तरह की हरकतों ने इसे खराब कर दिया। 'छावा' स्टार विक्की कौशल से विवाहित कैटरीना 24 फरवरी को अपनी सास वीना कौशल के साथ प्रयागराज गई थीं।

रवीना भी उसी दिन प्रयागराज में थी तथा अपनी बेटी राशा थडानी और कैटरीना के साथ शाम की आरती समारोह में शामिल हुईं। सोशल मीडिया पर प्रसारित एक कथित वीडियो में, एक व्यक्ति को स्नान के समय कैटरीना को वीडियो बनाते हुए देखा जा सकता है। वीडियो में वह व्यक्ति कह रहा है,

''ये मैं हूं, ये मेरा भाई है और ये कैटरीना कैफ।'' शनिवार को एक मनोरंजन समाचार पोर्टल द्वारा इंस्टाग्राम पर इसी वीडियो को साझा किया गया, जिस पर रवीना ने टिप्पणी की, ''यह घिनौना है। इस तरह के लोग एक ऐसे पल को खराब कर देते हैं जो शांतिपूर्ण और सार्थक होना चाहिए।'' उपयोगकर्ताओं के एक वर्ग ने पुरुषों को उनके ''शर्मनाक'' व्यवहार के लिए भी आड़े हाथों लिया।

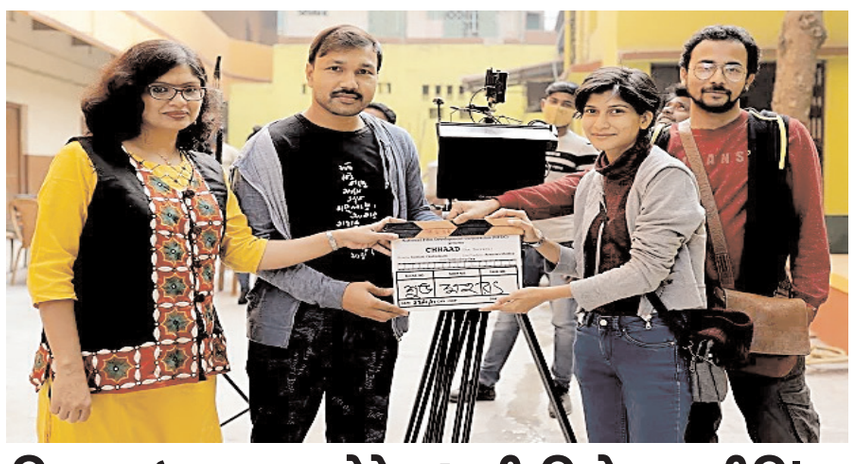

फिल्म 'छाड़ - द टेरेस' की विशेष स्क्रीनिंग

मुंबई/एजेन्सी

पाओली डैम अभिनीत और इंद्राणी चक्रवर्ती निर्देशित फिल्म 'छाड़ - द टेरेस' का राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम (एनएफडीसी) के तहत भारतीय सिनेमा के राष्ट्रीय संग्रहालय में विशेष प्रदर्शन किया गया। सात मार्च को छाड़ - द टेरेस की आधिकारिक रिलीज से पहले यह विशेष स्क्रीनिंग की गयी। इस को भारतीय अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल ऑफसाउथ एशिया टोरंटो, कोलकाता अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव और कान्स जैसे प्रतिष्ठित समारोहों में मान्यता मिली है। स्क्रीनिंग से पहले, आपकी आज़ादी, आपकी जगहशीर्षक से एक आकर्षक चर्चा हुई, जिसमें पाओली डैम और इंद्राणी चक्रवर्ती के साथ-साथ बेलारूस के महावाणिज्यदूत अलेक्जेंडर मात्सुको सहित सम्मानित अतिथि शामिल हुए। कार्यक्रम के दौरान, एनएफडीसी के महाप्रबंधक रामकृष्णन ने इंद्राणी चक्रवर्ती को सम्मानित किया, जबकि उत्पादन और वितरण के महाप्रबंधक तरूण तलरेजा ने इस शक्तिशाली कहानी को जीवंत बनाने में उनके योगदान को मान्यता देते हुए, फिल्म के लाइन निर्माता पाओली डैम और अरुणव मिद्या को सम्मानित किया। दर्शकों के अनुभव को बेहतर बनाने के लिए, उपस्थित सभी लोगों के लिए संग्रहालय यात्रा का आयोजन किया, जिसमें भारत के सिनेमाई इतिहास के सौ वर्षों से अधिक की एक झलक देखने को मिली।

फिर से रिलीज होगी अभय देओल की फिल्म 'रोड'

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेता अभय देओल की फिल्म रोड सात मार्च को फिर से सिनेमाघरों में रिलीज होगी। अभय देओल स्टारर 'रोड' फिल्म एक बार फिर से सिनेमाघरों में रिलीज के लिए तैयार है। अभय ने खुद अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर इसकी घोषणा की है। अभय देओल की फिल्म रोड भारत में 05 मार्च, 2010 को रिलीज हुई थी। इस फिल्म में अभय के अलावा तनिष्ठा चटर्जी और दिवंगत सतीश कौशिक ने मुख्य भूमिका निभाई थी। यह फिल्म अपनी रिलीज के 15 साल बाद एक बार फिर से सिनेमाघरों में रिलीज की जा रही है। अभय ने इंस्टाग्राम पर फिल्म रोड की री-रीलिज की जानकारी दी है।अभय देओल ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर 'रोड' का एक वीडियो शेयर किया है। इसके साथ ही फिल्म की री-रिलीज की तारीख की घोषणा भी की है। फिल्म रोड के वीडियो के साथ अभय ने

कैप्शन में लिखा, एक समय था जब बॉलीवुड में इंडी लहर अपनी जगह बनाने की कोशिश कर रही थी। मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि मेरी फिल्म, रोड, फिर से रिलीज होने वाली है।

आप में से कितने लोग इसे देखने के लिए उत्सुक हैं? मुझे बताएं कि आप इसे कब देखेंगे। क्या आप सिनेमा के प्रशंसक हैं? हॉरर, थ्रिलर, रोमांस, कॉमेडी। इस फिल्म में सब कुछ है। फिल्मों के बारे में एक फिल्म। रोड, मूवी 7 मार्च को आपके नजदीकी थिएटर में सिनेमाघरों में आ रही है।

देव बेनेगल निर्देशित 'रोड, में अभय देओल, सतीश कौशिक और तनिष्ठा चटर्जी के अलावा, फिल्म के कलाकारों में मोहम्मद फैजल, यशपाल शर्मा, वीरेंद्र सक्सेना भी शामिल हैं। कहानी विष्णु के इर्द-गिर्द घूमती है, जो अपने परिवार के हेयर ऑयल के व्यवसाय से बचना चाहता है।

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

ज्यों-ज्यों जीवहिंसा को बढ़ावा मिलेगा, त्यों-त्यों प्रकृति रूठेगी और आपदाओं का आगमन होता रहेगा। हम सभी को यह अच्छी तरह समझ लेना चाहिए कि किसी को मारकर कोई कभी सुखी नहीं हो सकता। अपने सद्भाग्य के निर्माण के लिए सबको जीना हमें सीखना होगा। सिर्फ कुर्बानी ही नहीं, पशुबलि भी पापप्रद और गलत है। बलि से कोई दैविक शक्ति प्रसन्न होगी, यह मान्यता ही घोर अज्ञानता है।

प्रभु की भक्ति पूरे विधिविधान से करें : डॉ. विजया माधव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुपुर। दादी परिवार तिरुपुर के तत्वावधान में आयोजित 'गीता ज्ञान यज्ञ' के तृतीय एवं अंतिम दिवस में महामंडलेश्वर डॉ विजया माधव ने बताया कि संसार में मात्र दो ही जातियां हैं देव और असुर। दैवीय संपदा से युक्त व्यक्ति सात्विक श्रद्धा से भजन करते हैं। आसुरी वृत्ति के लोग भजन के नाम पर दंभ करते हैं। कामनाओं की पूर्ति हेतु भिन्न भिन्न देवी देवताओं की पूजा करते हैं। श्रीकृष्ण कहते हैं कि वो अविधिपूर्वक मेरी ही पूजा कर रहे हैं।

इसपर महामंडलेश्वरजी ने कहा कि क्यों न विधिपूर्वक एकमात्र कृष्ण की ही पूजा की जाए। अर्जुन की तरह भटकती हुई जनता को कृष्ण की शरण में आने के लिए सर्वधर्म परित्याग कर समर्पण पर विशेष बल दिया। जिसका उद्घोष श्री कृष्ण स्वयं करते हैं कि मैं तुझे सभी पापों से मुक्त कर दूंगा तू शोक मत कर। भला ऐसा आश्वासन कृष्ण के अतिरिक्त और कौन दे सकता है। फिर भी भौतिकता की चकाचौंध में आंधी में जनता इस बात पर ध्यान ही नहीं देती। धिक्कार है ऐसे मानव जीवन पर जो कृष्ण के शरणागत ना हो पाए। अंत में परिवार की अध्यक्ष शीला शाह ने समस्त उपस्थित भक्तों के तीन दिवसीय इस आयोजन में सभी के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया ।

निरीक्षण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कोयंबतूर के कलेक्टर आईएएस पवन कुमार ने सोमवार को शहर के ग्रामीण क्षेत्रों में बारहवीं कक्षा परीक्षा केन्द्रों का दौरा किया। उन्होंने आदेश दिया कि पहाड़ी और आदिवासी इलाकों से आने वाले विद्यार्थियों को अतिरिक्त समय दिया जाए। इन क्षेत्रों से आने वाले विद्यार्थियों को काफी मशक्कत करके परीक्षा केन्द्रों पर पहुंचना पड़ता है।

इस्कॉन चेन्नई द्वारा होलिका दहन का आयोजन 13 को

चेन्नई। सोलिंगनलूर स्थित इस्कॉन मंदिर में प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी होलिका दहन महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। तेरह मार्च को दोपहर दो बजे ठंडी होली पूजन प्रारंभ होगी। रात्रि के 11:30 बजे होलिका दहन भक्तों की उपस्थिति में किया जाएगा। यह जानकारी इस्कॉन के सदस्य हरीश कुमार सांघी ने दिया है।

श्रीचंद्र प्रभु जैन कॉलेज में मेगा जॉब फेयर का आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। श्री चंद्र प्रभु जैन कॉलेज ने रिलायंस फाउंडेशन और मैजिक बस फाउंडेशन के सहयोग से 1 मार्च को मेगा जॉब फेयर 2025 का आयोजन किया। इस कार्यक्रम ने छात्रों को शीर्ष कंपनियों के साथ करियर के अवसर तलाशने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान किया। रोजगार मेले में कुल 20 प्रतिष्ठित कंपनियों ने भाग लिया। जो विभिन्न क्षेत्रों में विभिन्न भूमिकाओं की पेशकश कर रही थीं।

इस आयोजन को जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली, जिसमें 410 छात्रों ने भर्ती प्रक्रिया में सक्रिय रूप से भाग लिया। कई कंपनियों ने मौके पर ही साक्षात्कार आयोजित किए और तत्काल नौकरी की पेशकश की, जबकि अन्य ने आधिकारिक ईमेल के माध्यम से चयनित उम्मीदवारों को आश्वासन दिया। यह रोजगार मेला कॉलेज प्रबंधन, संकाय सदस्यों, प्लेसमेंट टीम और सहायक कर्मचारियों के समर्पित प्रयासों के माध्यम से संभव हुआ, जिससे एक सुचारू और अच्छी तरह से समन्वित आयोजन सुनिश्चित हुआ। अग्रणी कंपनियों के मानव संसाधन प्रतिनिधियों की उपस्थिति ने छात्रों की पेशेवर यात्रा में अत्यधिक मूल्य जोड़ा। छात्रों ने इस उत्कृष्ट अवसर के लिए अपना आभार व्यक्त किया और भर्ती कर्ताओं ने प्रतिभागियों द्वारा प्रदर्शित उत्साह और प्रतिभा की सराहना की। यह कार्यक्रम उच्च स्तर पर संपन्न हुआ, जो शिक्षा को रोजगार के अवसरों से जोड़ने की कॉलेज की प्रतिबद्धता में एक और मील का पत्थर साबित हुआ।

प्रथम विश्व शांति केन्द्र का उद्घाटन

विश्व शांति के लिए अहिंसा, शाकाहार व संयम जरूरी : श्रीश्रीमाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। भारत के पहले विश्व शांति केंद्र का उद्घाटन 2 मार्च को गुरुग्राम (हरियाणा) में हुआ। मुख्य अतिथि पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने इस सात मंजिले केन्द्र का उद्घाटन किया, जो ज्ञान, दर्शन, चारित्र और तप रूपी चार स्तंभों पर खड़ा है।

कोविंद ने कहा कि इस केन्द्र की आवाज संयुक्त राष्ट्रसंघ और विश्व धर्म संसद तक सुनाई देगी। अहिंसा विश्व भारती के अंतर्गत आचार्य लोकेश मुनि के मार्गदर्शन में निर्मित इस केन्द्र के उद्घाटन समारोह में हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, धर्मगुरु श्रीश्री रविशंकर, संत मोरारी बापू, अवधेशानंद गिरि महाराज सहित अनेक हस्तियाँ मौजूद थीं।

विश्व शांति केन्द्र के चेयरमैन अभय श्रीश्रीमाल जैन ने अपने उद्बोधन में कहा कि वर्तमान समय में भगवान महावीर के अहिंसा, अपरिग्रह और अनेकांतवाद के सिद्धांत अधिक प्रासंगिक हो गए हैं। भगवान महावीर ने जितना ज्ञान पर जोर दिया, उतना ही विश्वास और आचरण पर भी दिया।

उन्होंने कहा कि अहिंसक, शाकाहारी और संयमित भारतीय जीवन शैली अनेक समस्याओं का स्थायी उपाय है। भगवान महावीर के बताए मार्ग पर चलकर विश्व शांति का सपना साकार किया जा सकता है। इसी सपने को साकार करने के लिए यह केन्द्र बनाया गया है।

उन्होंने कहा, यह केन्द्र उन सभी व्यक्तियों और संस्थाओं के साथ मिलकर कार्य करेगा, जिनके उद्देश्यों में अहिंसा, शांति, सेवा, सद्भावना आदि मानवीय-मूल्य जुड़े हैं। मिलकर कार्य करने से सद्भाव भी बढ़ेगा और शक्ति भी।

आरंभ में बतौर चेयरमैन अभय श्रीश्रीमाल ने पधारे हुए अतिथियों का स्वागत किया। समारोह में शसुन जैन कॉलेज की सचिव उषा श्रीश्रीमाल भी उपस्थित थीं। यह जानकारी कवि डॉ. दिलीप धींग ने दी।

सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई में एवीसी वंडर वुमन अवॉर्ड द्वारा आयोजित 'वूमेंस डे इवेंट' में बेस्ट इन्फ्लूएंसर ऑफ द ईयर 2025 का अवार्ड गुणवंती खांटेड (घुन जैन) को एक समारोह में सम्मानित किया गया। गुणवंती की इस उपलब्धि से समाज और परिवार के लिए गौरव का विषय है।

दोषरहित भगवान की भक्ति ही दोषमुक्त बना सकती है : आचार्यश्री विमलसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। सोमवार को स्थानीय जैन श्वेताम्बर धर्मशाला में सिद्धचक्र महाविधान में साधकों को मार्गदर्शन देते हुए जैनाचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने बताया कि भगवान भी अगर दोषयुक्त हों तो उनमें और अपने में क्या फर्क रहेगा? पत्नी और परिवार रागात्मक भाव है, जबकि शास्त्र-अस्त्र द्वेषात्मक भाव है। दोनों ही संपूर्ण आत्म उन्नति में बाधक है। यही कारण है कि तीर्थंकरों के साथ उनकी पत्नी और परिवार नहीं होता। न ही उनकी पूजा होती है। इसी तरह तीर्थंकरों के साथ कोई शस्त्र-अस्त्र नहीं होते। शुद्ध वीतराग स्वरूप होता है। वह अहिंसा, प्रेम, मैत्री और शांति का प्रतीक है। तीर्थंकर अरिहंत अपने साधना काल में किसी को दुःख नहीं पहुंचते। किसी का बदला नहीं लेते। यह समत्व की निर्मल भूमिका होती है। वे अपकारी के प्रति भी उपकार की वर्षा करते हैं।

आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि भक्तियोग सबसे सरल योग है। इसमें अद्भुत शक्ति होती है। जो निष्काम भाव से भगवान की भक्ति करते हैं, वे कभी निष्फल नहीं होते। जैनदर्शन के अनुसार सर्व दोषरहित भगवान की भक्ति शांति और मुक्ति के लिये होती है। उसका मानना है कि सर्व दोषरहित प्रभु ही हमें दोष मुक्त बना सकते हैं। जैन परंपरा के पूजा-अनुष्ठान और आराधना का यही मर्म है। इसलिये किसी भी दोषयुक्त शक्ति को भगवान मानना जैन परंपरा में मान्य नहीं है। क्रोध, अभिमान, माया, लोभ, राग, द्वेष आदि दोषात्मक भावों का अंश भी अगर किसी में विद्यमान हों तो वह आत्मा भगवान नहीं बन सकती। जैनदर्शन के अनुसार भगवान बनना किसी का एकाधिकार भी नहीं है। कोई भी आत्मा सभी दोषों-दुर्गुणों को दूर कर भगवान बन सकती है। आध्यत्मिक उन्नति का यह तार्किक स्वरूप है। अशोक डाकलिया ने बताया कि महाविधान में अरिहंत, सिद्ध, आचार्य, उपाध्याय, साधु, सम्यग्दर्शन, सम्यग्ज्ञान, सम्यक्चारित्र, तप, अक्षर मातृका, गुरु पादुका, नवग्रह, दस दिक्पाल, सोलह विद्यादेवी, चौबीस यक्ष-यक्षिणी आदि दैविक तत्वों के पूजन विधान हुए। अनेक गांवों-शहरों के श्रद्धालुओं ने अनुष्ठान में भाग लिया। गणि पद्मविमलसागरजी और मुनि मंडल ने सामूहिक मंत्रोचारण किए। पंडित नरेंद्र और पंडित विजय ने मंडल और पूजन सामग्री का संयोजन किया। सुनील एंड पार्टी ने भक्ति संगीत की मनोहारी प्रस्तुतियां दी। इस मौके पर जलाभिषेक, पुष्पांजलि, शांति कलश और महाआरती का आयोजन हुआ।

सिद्धचक्र महाविधान का हुआ आयोजन

महालक्ष्मी लेआउट स्थित चिंतामणि पार्श्वनाथ मंदिर में हुआ ध्वजारोहण

बेंगलूरु। आचार्यश्री विजयप्रभाकरसूरीश्वरजी द्वारा दिए गए शुभ मुहूर्त में शहर के महालक्ष्मीलेआउट स्थित चिंतामणि पार्श्वनाथ दादा के जिनालय पर आचार्यश्री अभयशेखरसूरीश्वरजी के शिष्य पन्यास आगमशेखरविजयजी की निश्रा में लाभार्थी नरेशकुमार, महेन्द्रकुमार सुनीलकुमार बम्बोरी परिवार ने नवमा ध्वजारोहण किया। बम्बोरी परिवार ने शोभायात्रा के साथ ध्वजा लेकर मंदिर में प्रवेश किया। सत्तरभेदी पूजा व ध्वजा पूजा के बाद पूरे विधि विधान से मंदिर के शिखर पर ध्वजारोहण किया गया। विधि कारक धनंजय गुरुजी ने विधिविधान करवाया। संघ के अध्यक्ष नरेश बंबोरी ने संतों के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की तथा उपस्थित सभी मंडलों व श्रद्धालुओं को धन्यवाद दिया।

पूजा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सोमवार को मथुरा के वृंदावन में केशी घाट पर यमुना पूजा करते हुए।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.